www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
20 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 188 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की पहली बार एक साथ मीटिंग

जिनपिंग बोले- परमाणु हथियार इंसान के सिर पर लटकती तलवार, इन्हें खत्म करें



शेनझेन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने चीन के शेनझेन शहर में ऐतिहासिक बैठक की। यह पहली बार हुआ जब तीनों नेताओं ने एक साथ त्रिपक्षीय बैठक की।

मीटिंग में सबसे पहले परमाणु हथियारों के खतरों पर बातचीत हुई। जिनपिंग ने परमाणु हथियारों को इंसानियत के सिर पर लटकती तलवार बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए।

पुतिन ने कहा कि रूस, चीन और अमेरिका तीनों ने दूसरे विश्व युद्ध में जीत हासिल की थी। इसलिए दुनिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन तीनों देशों की है। ट्रम्प ने कहा कि वे इस बात से बेहद खुश हैं कि तीनों देशों के बीच पहली बार त्रिपक्षीय बैठक हो रही है। यह इतिहास रचने जैसा है।

बैठक करीब 80 मिनट चली

चीन के सरकारी चैनल के मुताबिक, जिनपिंग, ट्रम्प और पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक



खत्म होने के बाद ट्रम्प का काफिला किलिन विला से एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। यह बैठक करीब 80 मिनट चली।

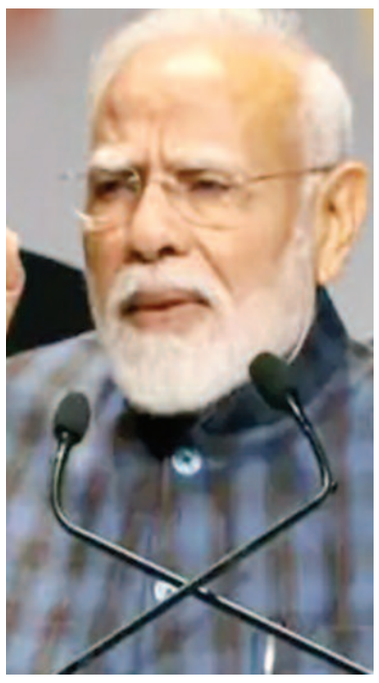
मोदी बोले- किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश नहीं बढ़ता

हमने 12 साल में इकोनॉमी बदली

राहुल ने कहा था- भारत आर्थिक संकट की ओर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश आगे नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल में भारत की इकोनॉमी बदली है और 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम का यह बयान राहुल गांधी के आरोपों के एक दिन बाद आया है। राहुल ने बुधवार को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में कहा था कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं।

50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले-पीएम मोदी ने कहा कि 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था, तब भारत की आबादी करीब 50 करोड़ थी। लेकिन अर्थव्यवस्था पिछले 12-13 साल में बदली है। आज 50 करोड़ भारतीय गरीबी से



ग्लोबल मार्केट के अवसरों का फायदा उठाएं

प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से घरेलू बाजार तक सीमित न रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कंपनियों को दूसरे देशों की जरूरतों और ग्राहकों की पसंद समझकर उत्पाद तैयार करने चाहिए। मोदी ने कहा कि सरकार रिफॉर्म एक्सप्रेस के जरिए लगातार सुधार कर रही है। उन्होंने कारोबारियों से बिना झिझक अपनी समस्याएं और सुधारों से जुड़े सुझाव देने को कहा। सरकार उनके साथ खड़ी है। पीएम ने कहा कि कंपनियों को ऐसे उत्पाद बनाने चाहिए, जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक हों और इस्तेमाल में आसान हों। इसके लिए बेहतर रिसर्च और नई तकनीक अपनाना जरूरी है।

बाहर निकले हैं। पीएम ने कहा कि कुछ कंपनियां विदेशों के लिए बेहतर और भारत के लिए कम गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाती हैं। इस सोच को बदलना होगा।



सोना 1.30 लाख के नीचे आज 1,179 सस्ता हुआ

7 दिन में दाम 12 हजार गिरे, हफ्तेभर में चांदी 24 हजार सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। सोना पिछले 7 कारोबारी दिनों में करीब 12 हजार रुपए और चांदी करीब 24 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,179 रुपए घटकर 1.30 लाख रुपए से नीचे आ गई। वहीं, एक किलो चांदी का भाव 2,158 रुपए गिरकर 1.62 लाख रुपए रह गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंची कीमतों पर सोना-चांदी बेचने से इनके दाम गिर रहे हैं।

रिकॉर्ड हाई से से 2.18 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.80



लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 2.18 लाख रुपए यानी करीब 130% सस्ती हो गई है। वहीं, 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.33 लाख रुपए था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 46 हजार रुपए यानी करीब 35% सस्ता हो चुका है।

राहुल अमेरिका में बोले-

2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था..लेकिन चुनाव का कभी बायकॉट नहीं करेंगे, ऐसा करते ही लोकतंत्र खत्म हो जाएगा

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव वैध नहीं था। इसमें कई फर्जी मतदाता थे। उन्होंने दावा किया कि एक ब्राजीलियाई महिला, जो कभी भारत नहीं आई, उसने एक विधानसभा चुनाव में 23 बार वोट डाला। राहुल से पूछा गया कि चुनाव में गड़बड़ी के बावजूद विपक्ष

बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे...

राहुल ने कहा कि हम जानबूझकर चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे हैं और हमें भरोसा है। चुनाव आयोग खुद अब अंदर से हमें जानकारी दे रहा है। इसलिए यह ढांचा कब ढहेगा, यह सिर्फ समय की बात है। चुनाव आयोग में वरिष्ठ लोग अब कह रहे हैं कि हम यह और नहीं कर सकते।'

उनका बायकॉट क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने कहा, 'भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। अगर हमने चुनावों का बायकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है।' राहुल गांधी ने यह बात गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ हुए संवाद के दौरान कही।



भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटेगी, अमेरिका में दोगुनी हो जाएगी

इस्लाम 2035 तक दुनिया का सबसे बड़ा धर्म होगा

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर धार्मिक आबादी में हो रहे बदलावों को लेकर अमेरिका की प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक, दुनिया की आबादी 2050 तक 9.30 अरब पहुंच सकती है, जो 2010 में करीब 6.90 अरब थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 के मुकाबले 2050 तक मुस्लिम आबादी करीब 73% बढ़ सकती है। यानी मुसलमानों की आबादी 1.6 अरब से बढ़कर लगभग 2.76 अरब हो जाएगी। 2020 से 2050 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी 17.6 करोड़ बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, देश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटने का अनुमान है। इसके बावजूद 2070 तक हिंदू भारत की कुल आबादी के तीन-चौथाई से ज्यादा बने रहेंगे। इस दौरान अमेरिका में हिंदुओं की आबादी दोगुनी हो जाएगी।



अमेरिका में 90 लाख हो जाएगी हिंदू आबादी

अमेरिका में भी हिंदुओं की आबादी दोगुने से ज्यादा होने का अनुमान है। 2020 में यहां करीब 40 लाख हिंदू थे, जिनकी संख्या 2070 तक बढ़कर 90 लाख हो सकती है। इस क्षेत्र की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत होने का अनुमान है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ऐसे क्षेत्र होंगे, जहां हिंदुओं की कुल संख्या में गिरावट आने की संभावना है।

मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या ज्यादा

प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, पिछले कुछ दशक में भारत की कुल प्रजनन दर में गिरावट आई है। हालांकि, मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या हिंदू महिलाओं से अधिक है। इसके अलावा भारत में मुस्लिम आबादी का आयु वर्ग भी अपेक्षाकृत युवा है। इन दोनों कारणों से आने वाले दशकों में देश की आबादी में मुस्लिमों का अनुपात बढ़ने और हिंदुओं की हिस्सेदारी में मामूली कमी आने का अनुमान है। प्यू रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2035 तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन सकता है। फिलहाल दुनिया में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुस्लिम हैं। अनुमान है कि 2035 तक मुस्लिम आबादी बढ़कर 2.57 अरब और ईसाई आबादी 2.52 अरब हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर सबसे ज्यादा है। 2020 से 2025 के बीच मुस्लिम महिलाओं में प्रति महिला औसतन 3.1 बच्चे पैदा हुए, जबकि ईसाई महिलाओं में यह आंकड़ा 2.5 और अन्य धर्मों में 1.6 रहा। प्यू के अनुमान के मुताबिक, 2070 तक दुनिया में मुस्लिमों की आबादी 3.6 अरब से ज्यादा हो सकती है।

दाऊद के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' पर बुलडोजर एक्शन रोका गया

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश, बीएमसी ने गुरुवार को कार्रवाई शुरू की थी

इमारत मस्जिद का हिस्सा भी था शामिल



मुंबई। मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' को गिराने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने 23 नवंबर तक इमारत की मौजूदा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। यह इमारत दक्षिण मुंबई के भिंडी बाजार इलाके की पाकमोडिया स्ट्रीट पर स्थित है। बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी ने गुरुवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच इमारत को गिराने की कार्रवाई शुरू की थी। इमारत को गिराने की कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण से भी जुड़ी है। यह मकान मस्जिद का हिस्सा है। बीएमसी ने कहा था कि इमारत का केवल जर्जर हिस्सा गिराया जाएगा। मस्जिद को नहीं तोड़ा जाएगा।

1939 में बनी थी इमारत, सी-1 श्रेणी में रखा गया

हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना नाम की यह इमारत 1939 में बनी थी। बीएमसी ने इसे जर्जर और खतरनाक घोषित करते हुए सी-1 श्रेणी में रखा था। इस श्रेणी में ऐसी इमारतें आती हैं जिन्हें खतरनाक मानकर गिराना जरूरी होता है। बीएमसी ने 18 और 19 नवंबर को इमारत गिराने की योजना बनाई थी। कार्रवाई के लिए मौके पर बड़ी संख्या में निगम कर्मचारी और पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पूरी इमारत को चारों तरफ से नीली टिन की चादरों से ढक दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, भारी पुलिस सुरक्षा के बीच तोड़फोड़ की कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुई थी।

तूफान अकवान से पहले ओडिशा से 80 हजार लोग शिफ्ट

6 जिलों में 3 दिन स्कूल-आंगनवाड़ी बंद, 10 राज्यों में असर की आशंका, 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

विशाखापट्टनम/चेन्नई/भुवनेश्वर। *चक्रवाती तूफान अकवान के खतरे को देखते हुए ओडिशा और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ओडिशा में करीब 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, छह जिलों में 21 नवंबर तक स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। तूफान का असर देश के 10 राज्यों में देखने को मिल सकता है। इससे निपटने के लिए 74 रेस्क्यू टीमों को तैनात किया गया है।*

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, चक्रवात के आज आंध्र प्रदेश के नरसापुर और ओडिशा के पुरी के बीच तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने का खतरा है। इससे पहले गुरुवार को न्यूज एजेंसी एएनआई ने तूफान के तट से टकराने का अनुमान जताया था। चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हो गया है। नौसेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियां अलर्ट पर हैं। रेलवे ने भी एहतियातन तीन ट्रेनों के रवाना होने के समय में बदलाव किया है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।



10 राज्यों में दिखेगा तूफान का असर

1. **आंध्र प्रदेश :** चक्रवात का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में होने की आशंका है। आज तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।
2. **ओडिशा :** आज और कल राज्य में भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी में ज्यादा असर हो सकता है। निचले इलाकों में जलभराव और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा है।
3. **तमिलनाडु :** उत्तरी तमिलनाडु में भी भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई सहित तटीय इलाकों में जलभराव की आशंका है।
4. **पुडुचेरी :** पुडुचेरी और कराईकल में आज भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में जाने से रोका गया है।
5. **तेलंगाना :** राज्य के पूर्वी हिस्सों में आज और 21 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। निचले इलाकों में जलभराव और स्थानीय बाढ़ का खतरा है।
6. **पश्चिम बंगाल :** दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिमी मिदनापुर और झारग्राम में आज भारी बारिश हो सकती है।
7. **झारखंड :** आज और कल कुछ इलाकों में बारिश और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।
8. **छत्तीसगढ़ :** यहां तूफान सीधे नहीं टकराएगा, लेकिन आज और कल दक्षिणी और उत्तरी जिलों में बारिश हो सकती है।
9. **बिहार :** गया, नवादा समेत पांच जिलों में आज और 21 नवंबर को बारिश की संभावना है।
10. **मध्य प्रदेश :** राज्य के पूर्वी हिस्सों में अगले दो दिनों तक बारिश और आंधी का असर देखने को मिल सकता है।

संपादकीय

"इगास" परंपरागत विरासत का प्रतीक

उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान केवल यहां के पर्वतीय सौंदर्य, धार्मिक स्थलों और लोकगीतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की सदियों पुरानी परंपराओं, लोकमान्यताओं और सामाजिक रीति-रिवाजों में भी इसकी विशिष्ट पहचान समाहित है। इन्ही परंपराओं में एक महत्वपूर्ण पर्व है "इगास", जिसे उत्तराखंड की लोकसंस्कृति में विशेष स्थान प्राप्त है। यह पर्व केवल दीपावली के ग्यारह दिन बाद मनाया जाने वाला उत्सव नहीं, बल्कि पहाड़ की सामूहिक चेतना, पारिवारिक जुड़ाव, लोकविश्वास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।इगास को सामान्य बोलचाल में "बूढ़ी दीपावली" भी कहा जाता है। मान्यता है कि जब देश के अन्य हिस्सों में दीपावली का उत्सव समाप्त हो जाता है, तब उत्तराखंड के कई पर्वतीय क्षेत्रों में ग्यारह दिन बाद इगास की रौनक दिखाई देती है। इस परंपरा के पीछे अलग-अलग लोकमान्यताएं और ऐतिहासिक जनश्रुतियां प्रचलित हैं। एक प्रसिद्ध लोककथा गढ़वाल के वीर सेनानायक माधो सिंह भंडारी से जुड़ी है। जनश्रुति के अनुसार, उनके लंबे सैन्य अभियान से लौटने की सूचना मिलने पर गांवों में दीप जलाकर उत्सव मनाया गया था। हालांकि इस कथा को लोकस्मृति और जनश्रुति के रूप में ही देखना चाहिए। इगास की सबसे विशिष्ट पहचान इसका सामूहिक स्वरूप है। इस दिन गांवों में लोग एक-दूसरे के घर पहुंचते हैं, शुभकामनाएं देते हैं और पारंपरिक पकवानों के साथ उत्सव मनाते हैं। "भैलो" खेलने की परंपरा इस पर्व को और भी खास बनाती है। भैलो में पारंपरिक रूप से चीड़ की लकड़ी और अन्य प्राकृतिक सामग्री से तैयार की गई मशालों को जलाकर लोकउत्सव का आनंद लिया जाता है। आज कई स्थानों पर इसके स्वरूप में बदलाव आया है, लेकिन इसका सांस्कृतिक आकर्षण अब भी कायम है। सामाजिक दृष्टि से इगास का महत्व और भी व्यापक है। पहाड़ों में पलायन के कारण अनेक गांवों में परिवार बिखर गए हैं। रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में बड़ी संख्या में लोग शहरों और दूसरे राज्यों में रहने लगे हैं। ऐसे में इगास जैसे पर्व लोगों को अपनी जड़ों की ओर लौटने का अवसर देते हैं। यह त्योहार परिवारों को एक साथ बैठने, पुराने संबंधों को मजबूत करने और गांव की सामूहिकता को फिर से जीवंत करने का माध्यम बनता है। इगास की एक बड़ी विशेषता यह भी है कि इसमें आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन दिखाई देता है। आज नई पीढ़ी भी इस पर्व के प्रति रुचि दिखा रही है। सोशल मीडिया, सांस्कृतिक आयोजनों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से इगास को व्यापक पहचान मिली है। उत्तराखंड से बाहर रहने वाले प्रवासी भी इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भौगोलिक दूरी भले ही बढ़ जाए, लेकिन सांस्कृतिक जड़ें लोगों को अपनी जन्मभूमि से जोड़कर रखती हैं।हालांकि किसी भी लोकपर्व की पहचान केवल सरकारी आयोजनों, मंचीय कार्यक्रमों और प्रचार तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक आवश्यकता इस बात की है कि नई पीढ़ी को इगास के पीछे छिपे सामाजिक मूल्यों, लोकगीतों, पारंपरिक खानपान और स्थानीय मान्यताओं से परिचित कराया जाए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सांस्कृतिक संस्थाओं में ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि हमारी लोकपरंपराएं केवल पुस्तकों या स्मृतियों का हिस्सा बनकर न रह जाएं। इगास का आर्थिक और स्थानीय रोजगार की दृष्टि से भी महत्व है। इस अवसर पर स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक व्यंजनों, हस्तशिल्प और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। यदि इस पर्व को स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाएं तो यह संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को भी गति दे सकता है। आज जब वैश्वीकरण और बदलती जीवनशैली के बीच स्थानीय संस्कृतियों के सामने अपनी पहचान बनाए रखने की चुनौती है, तब इगास जैसे पर्व हमें अपनी विरासत का महत्व समझाते हैं। किसी समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं, मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने की क्षमता से भी आंकी जाती है। "इगास बग्वाल" उत्तराखंड की ऐसी ही सांस्कृतिक धरोहर है, जो हमें बताती है कि त्योहार केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं होते, बल्कि समाज को जोड़ने, रिश्तों को संवारने और अपनी जड़ों को पहचानने का माध्यम भी होते हैं। जरूरत इस बात की है कि इगास को केवल एक दिन के आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि उत्तराखंड की लोकआत्मा और सामूहिक विरासत के रूप में संरक्षित किया जाए। यही इस पर्व के प्रति हमारी सच्ची सांस्कृतिक जिम्मेदारी होगी।

युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग



किशन सनमुखदास

एक ज़माना था जब हमारे घरों में माताएं लकड़ी और कोयले से जलते चूल्हे पर रोटी और चावल पकाते और हम सामने बोरा बिछाकर बैठ देखते थे और पलभर में थाली में भोजन परोसा जाता था और हम ग्रहण कर बाहर प्रकृति की गोद में खटिया पर बैठकर या झाड़ों के बीच चक्कर लगाते या अपने कार्य पर चले जाते थे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र आज भी यह देखता हूं कि यही प्रक्रिया हमारे बड़े बुजुर्गों, पिछली पीढ़ियों और कई गांव शहरों में आज भी शुरू है,और खासियत है कि ऐसे लोगों में किसी भी प्रकार की बीमारी का कोई लक्षण नहीं था, पाश्चात्य संस्कृति का कोई लक्षण नहीं था, सीमित जिंदगी और सुखी जिंदगी की वह स्थिति, आज उस ज़माने की बात करें कर कहते हैं न जाने कहां गए वो दिन इस प्रकार की पुरानी यादों की बात वरिष्ठ नागरिक करते हैं तो सुनकर बहुत आश्चर्य और अच्छा लगता है, उत्साह होता है कि ऐसी सुखी जिंदगी जीने की, यह थी टिकाऊ जीवन शैली।

साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद ज़रूरी था जिसकी प्रित्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली को बहुत नजदीक से देख करके किया, मैं खुद अनेक वर्षों तक बुजुर्गों के साथ में रहा हूं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज़्ज़ा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमनें हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं।हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहरों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने ज़माने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा पाए तो यह गैप बहुत बढ़ जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन शैली, विलुप्तता की ओर बढ़ने लगेगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें।

साथियों बात अगर हम पुरानी टिकाऊ जीवन शैली और वर्तमान जीवन शैली के अंतर की करें तो हमने कई बार सुना होगा,, दादा जी तुम तो पुरानी मज़बूत हड्डियों से बने हो! तुम्हारे पास पुराने ही घी मक्खन की ताकत है!! तुम पुराने ज़माने के सोने के अंडे खाए, लाभ पाए हो, इत्यादि इत्यादि बातें हम करते हैं जो बिल्कुल सच है परंतु यह असर कोई शक्तिशाली विटामिन का नहीं बल्कि टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, नियमित कसरत, अपार मेहनत, प्रकृति की गोद में बिताए लम्हों की ताकत है जो स्वास्थ्य और शरीर को मजबूत और टिकाऊ बनाए हुए हैं इसीलिए हर बड़े बुजुर्ग का कर्तव्य है कि वह अपने मार्गदर्शन से एक सामाजिक टीम खड़ी कर युवाओं को हेल्दी फूड स्वस्थ्य आहार की आदत, पाश्चात्य जीवन शैली का त्याग, तेजी से बदलती जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों से सबक जैसे अनेक मुद्दों को रेखांकित कर युवाओं को मार्गदर्शन, जन जागरण अभियान चलाकर प्रेरित करें।

साथियों बात अगर हम अस्वास्थ्यकर आहार के खतरों पर देश में बने कानूनों, नियमों, विनियमों, राज्य स्तरीय कानूनों, शासन, प्रशासन की करें तो हालांकि उपभोक्ता कानून सहित अनेक नियमों कानूनों में इस संबंध में सख्त धाराएं हैं परंतु ज़रूरत उस सख्ती के साथकानून लागू करनें की, जनता को जागृत करने की, अधिकारियों में जांबाजी और जज्बे की, जिसके बल पर कुछ कानून का सहारा, कुछ जनजागरण का सहारा, प्रोत्साहन, सतर्कता इत्यादि के बल पर हम इन से बचकर एक टिकाऊ जीवन शैली,स्वास्थ्यकर आहार, आदतों को अपनाकर अपने शरीर, स्वास्थ्य, जीवन को सुरक्षित और सकारात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 10 अप्रैल 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो इस विषय पर उन्होंने भी कहा, भारत में गैर-संचारी रोगों में वृद्धि की चिंताजनक रूझान को रेखांकित करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र में चिकित्सा संस्थाओं से लोगों, विशेष रूप से युवाओं के बीच एक निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से निष्क्रिय जीवन शैली का त्याग करने और स्वस्थ जीवन जीने का तरीका अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी और तेजी से बदलती जलवायु हमें हमारी आदतों और जीवन के तरीके के बारे में कई सबक सिखाती है। उन्होंने प्रकृति की गोद में अधिक समय व्यतीत करने और अधिक टिकाऊ जीवन शैली अपनाने की अपील की।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग आओ अस्वास्थ्यकर आहरों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करें निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न ख़तरों के बारे में जागरूकता पैदा करना ज़रूरी।

तो क्या ट्रंप के 'कूटनीतिक मायाजाल' में फंस जाएंगे पुतिन और जिनफिंग?



कमलेश पांडेय

दुनिया को अपने शब्द जाल में फंसाकर, साम-दाम-दंड-भेद की रणनीति अपनाकर 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का स्वप्न संजोए राष्ट्रपति ट्रंप अपने इरादों में कितना कामयाब होंगे, यह तो गुजश्ता वक्त ही बताएगा। लेकिन भारत की कूटनीतिक स्वायत्ता और ग्लोबल साउथ की अगुवाई वाली रणनीति से अमेरिका इतना परेशान हो गया कि अब उन्हीं देशों के साथ टेबल की मेज पर बैठा हुआ है, जिनके खिलाफ वह अनवरत षड्यंत्र रचते आया है।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रूस और चीन की क्या अंतर्राष्ट्रीय मजबूरी है जो वे वैश्विक रूप से प्रभुत्वहीन हो चुके अमेरिका के साथ मेज साझा कर रहे हैं! कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत की कूटनीतिक व रणनीतिक स्वायत्तता से ये दोनों भी भीतर ही भीतर विचलित हो रहे हैं। मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय दुनियादारी में भारत, अपने समकक्ष देशों यथा- फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा यूरोपीय संघ, मध्यपूर्व के देशों और आशियान देशों के साथ जो समझदारी भरे रिश्ते विकसित कर रहा है, इससे भी अमेरिका, रूस और चीन का चिंतित होना स्वाभाविक है।

ऐसे में अमेरिका, रूस और चीन के बीच उभरता त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण केवल तीन महाशक्तियों के नेताओं की मुलाकात का विषय नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैश्विक शक्ति संतुलन, रणनीतिक साझेदारियों, आर्थिक हितों और छोटे-बड़े देशों के भरोसे की बड़ी लड़ाई भी दिखाई देती है। ये देश नहीं चाहते कि इनके समानांतर कोई नया देश खड़ा हो और वह उनकी आवाज बने जिनका शोषण करते रहना इनकी नीतिगत फितरत है।

यही वजह है कि इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या ट्रंप, रूस और चीन को आपसी मतभेदों, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और अपने-अपने सहयोगियों के हितों के बीच इस तरह उलझा सकते हैं कि दोनों देशों की विश्वसनीयता प्रभावित होने लगे?

भले ही यह एक विचारणीय भू-राजनीतिक परिकल्पना है। हालांकि, इसे किसी प्रमाणित अमेरिकी डीप स्टेट योजना का नाम देना अभी उचित नहीं होगा, जबतक कि पूरा खेल स्पष्ट न हो जाए। वैसे भी ट्रंप कब क्या कहेंगे, कब पलटीमार देंगे, भरोसे के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता। इन सबके पीछे उनका स्वार्थ कितना साधता है, सबकुछ इसी बात पर निर्भर करता है।

पहला सवाल यह है कि ट्रंप की रणनीति का संभावित केंद्रीय सूत्र क्या है? तो जवाब होगा कि ट्रंप की विदेश नीति में व्यक्तिगत कूटनीति, आर्थिक सौदेबाजी और शक्ति प्रदर्शन को काफी महत्व मिलता है। रूस और चीन के साथ बातचीत के संभावित उद्देश्यों को निम्नलिखित तीन स्तरों पर समझा जा सकता है:- एक, रूस को साधनाः यूक्रेन युद्ध में समझौते के लिए पुतिन पर कूटनीतिक प्रभाव बनाना और मॉस्को के साथ अमेरिका के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करना, ताकि उसे लाभ होता रहे। दो, चीन को साधनाः व्यापार, तकनीक, दुर्लभ खनिजों और ताइवान जैसे मुद्दों पर बीजिंग से रियायतें हासिल करना, ताकि उनके उद्योगों के लिए रियायती कच्चा माल मिलता रहे। तीन, दोनों को एक मंच पर लानाः परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दों पर ऐसी बातचीत करना जिसमें अमेरिका अपनी भूमिका केंद्रीय बनाए रखना चाहे। हालांकि, इन सबमें एक महत्वपूर्ण विरोधाभास भी है। वह यह कि चीन और रूस की निकटता अमेरिका की उस पुरानी रणनीति को कमजोर करती है जिसमें दोनों महाशक्तियों के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर वाशिंगटन अपनी स्थिति मजबूत करता था।

दूसरा सवाल है कि रूस और चीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सहयोगियों का भरोसा बनाए रखना होगा। खासकर भारत और ईरान आदि जैसे उभरते देशों का। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, जो इसप्रकार है- एक, रूस की विश्वसनीयताः यदि पुतिन अमेरिका के साथ किसी बड़े समझौते में यूक्रेन, ईरान या अन्य रणनीतिक साझेदारों के हितों को नजरअंदाज करते दिखाई देते हैं, तो मॉस्को के सहयोगियों के बीच उसकी प्रतिबद्धताओं को लेकर सवाल उठ सकते हैं। दो, चीन की विश्वसनीयताः यदि शी जिनपिंग अमेरिका के साथ किसी समझौते में ताइवान, ईरान या अपने दूसरे रणनीतिक साझेदारों के मुद्दों पर ऐसी रियायत देते हैं जिसे सहयोगी अपने हितों के विरुद्ध समझें, तो चीन की साझेदारी की विश्वसनीयता पर बहस हो सकती है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। रूस और चीन अपने सहयोगियों के साथ संबंधों को केवल अमेरिका के साथ बातचीत के आधार पर तय नहीं करते। उनके आर्थिक, सैन्य, राजनीतिक और क्षेत्रीय हित भी इसमें महत्वपूर्ण हैं।

तीसरा सवाल यह है कि क्या ट्रंप दोनों महाशक्तियों को एक-दूसरे के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकते हैं? तो यहां 1970 के दशक की अमेरिकी त्रिकोणीय कूटनीति याद आती है। तब अमेरिका ने सोवियत संघ और चीन के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर बीजिंग के साथ संबंध बेहतर किए थे। इससे वाशिंगटन को मॉस्को के मुकाबले कूटनीतिक लाभ मिला था। लेकिन 2026 की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। वह यह कि रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है। दोनों देश अमेरिकी प्रभुत्व को लेकर कई मुद्दों पर समान चिंताएं रखते हैं। दोनों के आर्थिक और कूटनीतिक हित एक-दूसरे से जुड़े हैं। अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ भी उसके संबंधों में कई बार अनिश्चितता दिखाई देती है। फिर भी आज अमेरिका के लिए रूस और चीन के बीच पुराने जमाने जैसी दरार पैदा करना आसान नहीं है।

चौथा सवाल क्या यही अमेरिकी डीप स्टेट का गेम प्लान है? क्योंकि ट्रंप भी अब इनके सामने घुटने टेक चुके हैं। मिड टर्म चुनावों में अपनी रिपब्लिकन पार्टी की हुई फजीहत से बौखलाए हुए भी हैं। लिहाजा इस सवाल को तीन अलग-अलग अवधारणाओं में समझना जरूरी है:- एक, डीप स्टेटः स्थायी प्रशासनिक, सुरक्षा और संस्थागत नेटवर्क का प्रभाव। दो, अमेरिकी रणनीतिक प्रतिष्ठानः विदेश नीति, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थान एवं नीति निर्माता। तीन, ट्रंप की व्यक्तिगत कूटनीतिः नेताओं से सीधे बातचीत और द्विपक्षीय सौदेबाजी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में सत्ता बदलने के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों और विदेश नीति से जुड़े स्थायी हित बने रहते हैं। लेकिन यह मान लेना कि इन सभी संस्थानों का कोई एक गुप्त और सर्वसम्मत गेम प्लान है, मौजूदा उपलब्ध प्रमाणों से पुष्ट नहीं होता। इसलिए डीप स्टेट की परिकल्पना को एक राजनीतिक व्याख्या के रूप में देखना चाहिए, स्थापित तथ्य के रूप में नहीं।

पांचवां सवाल यह है कि क्या 19 नवंबर की त्रिपक्षीय बैठक के पांच बड़े सवाल का संतुलित जवाब मिलेगा? चूंकि, ट्रंप, पुतिन और शी जिनपिंग की शेनझेन में प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक पर पूरी दुनिया की नजरें बनी हुई हैं, क्योंकि इस बैठक से जुड़े पांच महत्वपूर्ण सवाल हैं:- एक, क्या यूक्रेन युद्ध के समाधान पर कोई साझा रास्ता निकलेगा? दो, क्या चीन को अमेरिका-रूस परमाणु हथियार नियंत्रण वार्ता में शामिल करने की कोशिश सफल होगी? तीन, क्या ईरान के मुद्दे पर रूस और चीन अमेरिकी दृष्टिकोण के करीब आएंगे? चार, क्या अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर चीन को कोई राजनीतिक आश्वासन देगा? पांच, क्या तीनों महाशक्तियां अपने सहयोगियों के हितों को ध्यान में रखकर कोई समझौता करेंगी? बैठक के एजेंडे और प्रारूप को लेकर बातचीत जारी थी, क्योंकि तीनों नेताओं के अलग-अलग उद्देश्यों और संभावित हितों को रेखांकित किया है।

छठा सवाल है कि भारत के लिए इसका क्या अर्थ है? चूंकि भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि रूस भारत का पुराना रक्षा और ऊर्जा साझेदार है। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण तकनीकी, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। चीन के साथ भारत के सीमा और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी मुद्दे हैं। ईरान और मध्य एशिया भारत के संपर्क एवं ऊर्जा हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह किसी एक महाशक्ति के कूटनीतिक समीकरण का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर सभी प्रमुख शक्तियों से संबंध बनाए रखे। सातवां और अंतिम सवाल यह है कि असली लड़ाई भरोसे और रणनीतिक विश्वसनीयता की है। वास्तव में, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश की ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता से तय नहीं होती। उसकी प्रतिबद्धताओं पर सहयोगियों का भरोसा भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। यदि रूस या चीन अमेरिका के साथ किसी समझौते में अपने रणनीतिक सहयोगियों के हितों की अनदेखी करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। दूसरी ओर, यदि ट्रंप अपने सहयोगियों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ अनिश्चित सौदेबाजी करते हैं, तो अमेरिका की अपनी विश्वसनीयता भी प्रभावित हो सकती है।

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन

विश्व बाल दिवस



ललित गर्ग

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा।

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम ÷मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य'' है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है।

सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो



बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं।

भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है।

इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो ÷हमें क्या लेना-देना है÷ कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने।

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है। जिस दिन भारत के हर बच्चे की आंखों में भय की जगह विश्वास, हाथों में श्रम की जगह किताब और होंठों पर शिकायत की जगह मुस्कान होगी, उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने विश्व बाल दिवस की भावना को वास्तव में आत्मसात किया है।

झंडीचौड़ में गुलदार की धमक से दहशत, पिंजरा लगाने का आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र में गुलदार की लगातार बढ़ रही चहलकदमी से लोगों में दहशत बनी हुई है। आबादी क्षेत्र में गुलदार की सक्रियता और बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता के बीच वन विभाग भी हरकत में आया है। गुरुवार को वन विभाग के अधिकारियों ने झंडीचौड़ क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से गुलदार की आवाजाही के संबंध में जानकारी जुटाई। साथ ही जल्द क्षेत्र में पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने का आश्वासन दिया। पिछले एक सप्ताह से झंडीचौड़ क्षेत्र में गुलदार की सक्रियता बनी हुई है। दो दिन पूर्व झंडीचौड़ उत्तरी में इंटर कालेज के समीप गुलदार दीवार पर बैठा दिखाई दिया था। स्कूल के आसपास गुलदार की मौजूदगी से शिक्षक और विद्यार्थी सहमे हुए हैं।

वहीं, आसपास की आबादी में भी भय का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार शाम ढलते ही गुलदार आबादी के बीच पहुंच रहा है। ऐसे में बच्चों और बुजुर्गों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। गुलदार की लगातार आवाजाही से परेशान स्थानीय लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को समस्या से अवगत कराया था। इसके बाद वन विभाग की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।


कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान गुलदार की चहलकदमी के संबंध में जानकारी जुटाते वन विभाग के अधिकारी।

अधिकारियों ने बताया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई गई है। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाने की कार्रवाई भी जल्द की जाएगी।

21 नवंबर से शुरू होगा इंडस्ट्री वेलनेस एक्सपो

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला उद्योग केंद्र कोटद्वार की ओर से 21 से 23 नवंबर तक स्वर्गाश्रम स्थित परमार्थ निकेतन यमकेश्वर में तीन दिवसीय इंडस्ट्री वेलनेस एक्सपो आयोजित किया जायेगा। इसमें स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप प्रदेश के उद्यमियों, स्टार्टअप्स, निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों के सुझावों पर मंथन किया जायेगा। कार्यक्रम के माध्यम से आयुष व वेलनेस उद्योगों के उत्पादों और सेवाओं को व्यापक पहचान दिलाने के साथ ही वेलनेस और मेडिकल टूरिज्म, स्वास्थ्य, पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों व स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में प्रतिभागियों को निवेशकों के समक्ष अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने, संभावित फंडिंग प्राप्त करने, उद्योग विशेषज्ञों एवं अन्य उद्यमियों से संपर्क स्थापित करने और व्यावसायिक साझेदारी विकसित करने का अवसर मिलेगा। चयनित परियोजनाओं को जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर विभागीय सहयोग मिलेगा।

मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना जारी


कोटद्वार तहसील परिसर में मांगों को लेकर धरना देती आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मानदेय में बढ़ोत्तरी और सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त धनराशि दिए जाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन जारी है। गुरुवार को भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में धरना देकर शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों का निराकरण होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

जिलाध्यक्ष बसंती रावत के नेतृत्व में तहसील परिसर में एकत्र हुई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्तमान में उन्हें काम के अनुरूप बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है। कम मानदेय के कारण उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने में भी मुश्किलें आ रही हैं। उन्होंने मांग उठाई कि आगामी चुनाव की घोषणा से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में प्रतिदिन 140 रुपये और सहायिकाओं के मानदेय में प्रतिदिन 40 रुपये की बढ़ोत्तरी की जाए। साथ ही सेवानिवृत्ति पर प्रत्येक कार्यकर्ता को 10 लाख रुपये की एकमुश्त धनराशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर विजय लक्ष्मी, संपत्ति बड़थ्वाल, अनीता, रिंकी भंडारी, पुष्पा देवी, आशा देवी, रोशनी देवी, हेमलता देवी और शीतल थपलियाल मौजूद रहीं।

पर्यटन विभाग के 19 विद्यार्थियों का फाइनल इंटरव्यू के लिए चयन



जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के 19 छात्र-छात्राओं का प्रतिष्ठित पर्यटन एवं ट्रैवल कंपनी सीता वर्ल्ड ट्रैवल एसोसिएशन में फाइनल चयन साक्षात्कार के लिए चयन हुआ है। इन विद्यार्थियों का फाइनल साक्षात्कार 21 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार के लिए रवाना होने से पूर्व आज सभी चयनित छात्र-छात्राएं पर्यटन विभाग के निदेशक प्रो. राकेश कुमार ढोडी एवं डॉ. अनुराग के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने उनके कार्यालय पहुंचे। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए साक्षात्कार की तैयारी एवं उसकी विभिन्न बारीकियों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि साक्षात्कार के दौरान आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण, प्रभावशाली संवाद कौशल, विषय का व्यावहारिक ज्ञान एवं व्यक्तित्व की प्रस्तुति किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यटन विभाग के निदेशक प्रो. राकेश कुमार ढोडी ने कहा कि विभाग विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योग जगत से जोड़ने एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रतिष्ठित पर्यटन कंपनियों में विद्यार्थियों की सहभागिता विभाग के लिए गौरव का विषय है।

विधायक हरीश धामी मामले में कांग्रेसियों ने फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : धारचूला विधायक हरीश धामी मामले में कांग्रेस ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री धामी का पुतला दहन किया। कांग्रेस ने घटना को निर्वाचित जनप्रतिनिधि का अपमान बताते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में जनप्रतिनिधियों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि सरकार को इस पूरे प्रकरण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कलेक्ट्रेट के गेट पर प्रदर्शन करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि जौलजीवी मेले का उद्घाटन समारोह एक सार्वजनिक कार्यक्रम था, जिसमें क्षेत्र के निर्वाचित विधायक हरीश धामी को भी अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए था।

आरोप लगाया कि विधायक जब मंच पर पहुंचे तो उन्हें संबोधन का मौका देने के बजाय उनका माइक बंद कर दिया गया। कांग्रेसियों ने जिला मुख्यालय में मांगों के लिए आंदोलन कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी समर्थन दिया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, तामेश्वर आर्य, अरूणा कुमार, अनूप सिंह, राहत हुसैन, आस्कर रावत आदि शामिल रहे।

स्कूली बच्चों को सिखाएं आग से बचाव के तरीके

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ ही आपात स्थिति में जान-माल की सुरक्षा के प्रति जागरूकता जरूरी है। इसी उद्देश्य से अग्निशमन विभाग की ओर से विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को आग से बचाव के तरीके सिखाएं जा रहे हैं।


कोटद्वार के सेंट मैरी स्कूल रतनपुर में विद्यार्थियों को आग से बचाव की जानकारी देते अग्निशमन विभाग के अधिकारी।

इसी क्रम में अग्निशमन विभाग की टीम ने सेंट मैरी स्कूल रतनपुर-कुंभीचौड़ में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान अग्निशमन कर्मियों ने विद्यार्थियों को आग लगने के प्रमुख कारणों, बचाव के उपायों और आपात स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। साथ ही अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और उनके महत्व के बारे में भी समझाया। कर्मियों ने बच्चों को बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय धैर्य बनाए रखना चाहिए और तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचना चाहिए।

इसके साथ ही अग्निशमन विभाग को सूचना देने में देरी नहीं करनी चाहिए। अभियान के दौरान बच्चों से सीखी गई जानकारियों को अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाने की अपील भी की गई। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को भी अग्निशमन उपकरणों के संचालन और उनके महत्व की जानकारी दी गई। अग्निशमन कर्मियों ने कहा कि आग से बचाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की जानकारी होना जरूरी है।



संक्षिप्त समाचार

फुटबाल प्रतियोगिता में हेरिटेज एकेडमी ने जीत से किया आगाज

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : हेरिटेज एकेडमी में आयोजित तीसरी ब्रिगेडियर हेड सेवन-ए-साइड फुटबाल प्रतियोगिता का आगाज मेजबान टीम की जीत के साथ हुआ। उद्घाटन मुकाबले में हेरिटेज एकेडमी-ए ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सिद्धबली पब्लिक स्कूल को 5-0 से पराजित किया।

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत हेरिटेज एकेडमी में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ एकेडमी के निदेशक कर्नल कुंवर अजय सिंह और प्रधानाचार्या डा. रूपमाला सिंह ने किया। प्रतियोगिता के पहले दिन छः मुकाबले खेले गए। दूसरे मुकाबले में बलूनी पब्लिक स्कूल ने एमकेवीएन को 2-0 से हराया। तीसरे मैच में नवयुग पब्लिक स्कूल ने ब्राइट कार्नर को 2-0 से शिकस्त दी। चौथे मुकाबले में यूनिकस एकेडमी ने डेफोडिल्स पब्लिक स्कूल को 2-1 से पराजित किया। पांचवें मैच में बाल भारती पब्लिक स्कूल ने जेपी स्कूल को 2-0 से हराया, जबकि छठे मुकाबले में आरपी पब्लिक स्कूल ने डीएवी को 3-1 से शिकस्त दी। इस मौके पर विवेक ध्यानी, नीरज रावत, अंकुश नेगी, अरुण मोहन डोबरियाल और अंकित भंडारी मौजूद रहे।

अधूरे अंबेडकर प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : चिलरखाल-हरिद्वार मोटर मार्ग पर निर्मित डा. भीमराव आंबेडकर प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य अधूरा होने से सामाजिक संस्था जनाधिकार मंच ने नाराजगी जताई है। मंच ने प्रवेश द्वार का सौंदर्यीकरण कार्य जल्द पूरा करवाने की मांग उठाई है।

इस संबंध में मंच के अध्यक्ष आशाराम ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि चिलरखाल-हरिद्वार मोटर मार्ग पर जंगलात चौकी के समीप डा. भीमराव आंबेडकर के नाम से प्रवेश द्वार का निर्माण कराया गया है, लेकिन इसका कार्य अब तक पूरा नहीं हो पाया है।

धीरेन्द्र प्रताप बोले सरकार बदले की भावना से ग्रसित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखण्ड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पौड़ी जनपद कांग्रेस प्रभारी धीरेंद्र प्रताप ने पौड़ी के जाने माने नौजवान नेता विनोद दनोशी पर बदले की भावना से हुई एफआईआर और विकास प्राधिकरण द्वारा उन्हें जबरन टारगेट कर उनके प्रतिष्ठान और घर की नाप जोख कराने की कड़ी निंदा की है।

धीरेंद्र प्रताप ने आरोप लगाया कि सरकार बदले की भावना से ग्रसित है, चूंकि विनोद दनोशी लगातार जनता के लिए आवाज उठाने, गुलदार द्वारा मारे गए लोगों और क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के पक्ष में वे लगातार आवाज बुलंद करते रहे है, यही कारण है, सरकारी एजेंसियों द्वारा उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अपनी इन हरकतों से बाज नहीं आएगी तो सरकार की जनविरोधी कार्रवाइयों के विरुद्ध आंदोलन किया जाएगा।

गढ़वाल राइफल्स के खिलाड़ियों ने बढ़ाया उत्तराखंड का गौरव

पुणे में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई



जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन स्थित गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के खिलाड़ियों ने 30वीं इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन नॉर्थ जोन स्पोर्ट्स क्लाइम्बिंग चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र और उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। 16 से 18 नवंबर तक नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग, उत्तरकाशी में आयोजित इस प्रतियोगिता में सेंटर के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में पदक जीतकर आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में उत्तराखंड सहित जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और लद्दाख के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। स्पीड क्लाइम्बिंग, लीड क्लाइम्बिंग और बोल्डरिंग की तीन प्रमुख स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्पीड क्लाइम्बिंग में सोनम पटवाल ने स्वर्ण, निकी रावत ने रजत और रानी पटवाल ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं लीड क्लाइम्बिंग में निकी पटवाल ने रजत तथा सोनम पटवाल ने कांस्य पदक जीता। बोल्डरिंग स्पर्धा में भी निकी रावत ने रजत पदक अपने नाम किया। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पिछले एक वर्ष से तारकेश्वर और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय युवाओं को निःशुल्क पेशेवर माउंटेनियरिंग एवं स्पोर्ट्स क्लाइम्बिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खिलाड़ियों की यह उपलब्धि इसी प्रशिक्षण और निरंतर मेहनत का परिणाम मानी जा रही है। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर सभी पदक विजेता खिलाड़ियों का चयन 27 नवंबर 2026 को पुणे में आयोजित होने वाली नेशनल स्पोर्ट्स क्लाइम्बिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके अनुशासन, कठिन परिश्रम और समर्पण की सराहना की।

पेंशनरों को साइबर ठगी से बचाव के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : साइबर ठगों के निशाने पर बुजुर्ग और पेंशनर भी हैं। ऐसे में उन्हें आनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से कोषागार विभाग की ओर से पेंशनरों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताने के साथ ही पेंशनरों के स्वास्थ्य की जांच भी की गई।

कोषागार कार्यालय में गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में साइबर अपराध विशेषज्ञों ने पेंशनरों को स्मार्ट फोन पर आने वाले अनजान लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक करने या उसमें मांगी गई जानकारी साझा करने से साइबर ठगी का शिकार होने की आशंका रहती है। कई मामलों में ठग डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर लोगों से रकम ऐंठ रहे हैं। ऐसी किसी भी घटना की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर में पहुंचे पेंशनरों के रक्तचाप और ब्लड शुगर की जांच की। कार्यक्रम के दौरान पेंशनरों ने अपनी समस्याएं और मांगें भी रखीं। उन्होंने जिले से बाहर के प्रतिपूर्ति बिलों को कोषागार के माध्यम से अग्रसारित करने और बुजुर्ग व दिव्यांग पेंशनरों के कोषागार कार्यालय पहुंचने में असमर्थ होने पर डिजिटल माध्यम से प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था करने की मांग उठाई। इस पर कोषाधिकारी ने सहमति जताई।

मशरूम की खेती से ग्रामीणों के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर : कुलपति



जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय मशरूम खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन अनुसंधान, नवाचार, मूल्य संवर्धन और ग्रामीण उद्यमिता पर विशेष चर्चा हुई। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने किसानों, विद्यार्थियों और उद्यमियों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार के अवसर विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वक्ताओं ने कहा कि मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण के माध्यम से महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं।कुलपति ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक रूप से अपनाने और ऐसे कार्यक्रमों को व्यापक ग्रामीण समुदाय तक पहुंचाने पर जोर दिया। इस अवसर पर मशरूम उत्पादों पर आधारित पाक-विधि पुस्तिका मशरूत्पाद : घर की रसोई से छोटे उद्योग तक का भी उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में मशरूम की खेती में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ओपन-एक्सेस संसाधनों के उपयोग पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि अकशोध एवं जानकारी जुटाने में सहायक हो सकता है, लेकिन इसका उपयोग वैज्ञानिक विवेक और मौलिक चिंतन के विकल्प के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। सत्र में मशरूम से मिठाई, कुकीज, बर्फी और सूप पाउडर जैसे उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि मशरूम के मूल्य संवर्धन, बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और प्रभावी विपणन से घरेलू एवं लघु स्तर के उद्यमों को बढ़ावा मिल सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. मोहन सिंह पंवार ने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए सामुदायिक सहभागिता, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और व्यावहारिक प्रशिक्षण आवश्यक है।

पैरामेडिकल की छात्रा नहर में कूदी, तलाश जारी

श्रीनगर गढ़वाल : चौरास के सुपाणा में जल विद्युत परियोजना की नहर में पैरामेडिकल की छात्रा के कूदने का मामला सामने आया है। गुरूवार को परिजनों की सूचना पर अपर उपनिरीक्षक दीपेंद्र रावत और हेड कांस्टेबल राजेश रावत व जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने छात्रा को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन उसका पता नहीं लग पाया। सीसीटीवी फुटेज में पुलिस को छात्रा नहर में छलांग लगाते हुए देखी गई है। पुलिस के अनुसार छात्रा की पहचान प्राची कठैत (20) पुत्री महिपाल कठैत निवासी गंगानाली श्रीकोट के रूप में हुई है। वह राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में पैरामेडिकल बीओटीटी प्रथम वर्ष की छात्रा है। छात्रा की तलाश जारी है और कारणों की भी जांच की जा रही है। मेडिकल कॉलेज के पैरामेडिकल पाठ्यक्रम के को-ऑर्डिनेटर प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि छात्रा प्रथम वर्ष की छात्रा थी।

विज्ञान महोत्सव में बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा, 480 ने किया प्रतिभाग

विज्ञान, तकनीक और नवाचार पर आधारित मॉडलों ने खींचा ध्यान, विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में भी दिखी प्रतिभा



राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : किसी ने हरित ऊर्जा के संरक्षण का मॉडल प्रस्तुत किया तो किसी ने आपदा प्रबंधन के लिए तकनीक आधारित समाधान सुझाए। विज्ञान और नवाचार से जुड़े इन मॉडलों के माध्यम से बाल वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौका था एससीईआरटी एवं समग्र शिक्षा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित डा. एपीजे अब्दुल कलाम जिला स्तरीय विज्ञान महोत्सव का। इसमें जिले के 15 विकासखंडों से पहुंचे 480 बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया।

राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में आयोजित महोत्सव का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत और अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक शिक्षा) पद्मेंद्र कुमार बिष्ट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिला विज्ञान समन्वयक दौलत सिंह गुसाईं ने महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से बच्चों में अन्वेषण की प्रवृत्ति, तार्किक सोच और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आज के बाल वैज्ञानिक ही भविष्य में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करेंगे। विज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय समाज और ग्रामीण क्षेत्रों की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान का माध्यम बनाया जाना चाहिए। वहीं, अपर शिक्षा निदेशक पद्मेंद्र कुमार बिष्ट ने विद्यार्थियों को डा. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन से प्रेरणा लेकर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। महोत्सव में जूनियर और सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, हरित ऊर्जा संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। वहीं, विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इलेक्ट्रिक वाहन, अंतरतारकीय आवास और महासागरों के संरक्षण जैसे विषयों पर प्रभावी प्रस्तुतियां दीं। अतिथियों ने विभिन्न मॉडलों का अवलोकन कर बाल वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी अंशुल बिष्ट, खंड शिक्षा अधिकारी वर्षा भारद्वाज, प्रधानाचार्य मुकेश रावत, मनोज रावत, परितोष रावत, महेंद्र सिंह राणा, रश्मि रावत, पूनम पांथरी, शीतांशु खुगशाल, दीपक नेगी, हिमांशु केष्टवाल, उमेश कुमार वर्मा, मोहन सिंह रावत, डा. पद्मेश बुडाकोटी और मनमोहन चौहान मौजूद रहे।

देहरादून में पीआरडी जवानों का प्रदर्शन उग्र

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में बुधवार को प्रांतीय रक्षक दल के जवानों का विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया। मुख्यमंत्री आवास कूच के दौरान हाथीबड़कला थाने के समीप पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हो गया। बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे ढफ्फ जवानों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान मौके पर अफरा–तफरी मच गई और कई जवानों को पीछे हटना पड़ा। जानकारी के अनुसार, ढफ्फ जवान अपनी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करना चाहते थे। इसके लिए बड़ी संख्या में जवान मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे थे। हाथीबड़कला के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस और जवानों के बीच धक्का–मुक्की हुई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ जवानों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है।

365 दिन रोजगार की गारंटी की प्रमुख मांग

प्रदर्शन कर रहे ढफ्फ जवानों की सबसे बड़ी



मांग साल के पूरे 365 दिन रोजगार उपलब्ध कराने की है। जवानों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में उन्हें नियमित रूप से ड्यूटी नहीं मिलती। विभाग की ओर से जब काम दिया जाता है, तभी उन्हें मानदेय मिलता है। कई जवानों को साल में केवल दो से तीन महीने ही रोजगार मिल पाता है, जबकि कुछ को छह महीने तक ड्यूटी मिलती है। जवानों का कहना है कि रोजगार की अनिश्चितता के कारण उनके सामने परिवार का भरण–पोषण करना मुश्किल हो जाता है। उन्हें हर साल ड्यूटी मिलने का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में सरकार को स्थायी व्यवस्था बनाकर पूरे साल रोजगार की गारंटी देनी चाहिए।

होमगार्ड के समान मानदेय देने की मांग

जवानों ने मानदेय बढ़ाने और होमगार्ड कर्मियों के समान भुगतान करने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि वर्तमान में उन्हें लगभग 650 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय मिलता है। जबकि वे यातायात व्यवस्था, चारधाम यात्रा, कानून–व्यवस्था से जुड़ी जिम्मेदारियों और विभिन्न सरकारी आयोजनों में अपनी सेवाएं देते हैं। जवानों का तर्क है कि जब वे पुलिस और होमगार्ड के साथ मिलकर समान प्रकृति की जिम्मेदारियां निभाते हैं, तो उन्हें भी सम्मानजनक मानदेय और सुविधाएं मिलनी चाहिए।

घायल जवान ने बयां किया दर्द, आश्वासन के बावजूद नहीं हुआ समाधान

प्रदर्शन के दौरान घायल हुए पीआरडी जवान न्यालेंद्र कुमार ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि वह उत्तरकाशी जिले के चिन्यालीसौड़ ब्लॉक के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान उन्होंने यातायात व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी निभाई थी, लेकिन 10 तारीख को उनकी ड्यूटी समाप्त कर उन्हें घर भेज दिया गया। न्यालेंद्र कुमार के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पहले कार्यकाल के दौरान ढफ्फ जवानों को 10 महीने का रोजगार देने की बात कही गई थी। उन्होंने कई बार मुख्यमंत्री और तत्कालीन विभागीय मंत्री रेखा आर्य के समक्ष भी अपनी समस्याएं रखीं, लेकिन आश्वासन मिलने के बावजूद मांगों को लेकर ठोस शासनादेश जारी नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि इस बार उन्हें केवल छह महीने काम मिला, जबकि पहले कई बार दो से तीन महीने की ड्यूटी के बाद ही घर बैठना पड़ा। उनका कहना है कि कम मानदेय और सीमित रोजगार के कारण ढफ्फ जवान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

सरकार से स्थायी समाधान निकालने की अपील

प्रदर्शनकारी जवानों का कहना है कि वे भी राज्य की सुरक्षा व्यवस्था और विभिन्न महत्वपूर्ण सरकारी जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाते हैं। चारधाम यात्रा, यातायात नियंत्रण और अन्य सरकारी ड्यूटी में उनकी सेवाएं ली जाती हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके रोजगार और भविष्य की कोई स्थायी गारंटी नहीं है।

आपदा मित्रों को दिया राहत और बचाव कार्यों का प्रशिक्षण

ऋषिके श।एसडीआरएफ मुख्यालय जौलीग्रांट में छह दिवसीय आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के 16वें बैच का समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 57 प्रतिभागियों (23 युवक और 34 युवतियों) ने प्रतिभाग किया। 14 से 19 नवबंर तक आयोजित इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, खोज, बचाव, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाओं से निपटने, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत व बचाव कार्यों से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में अपनी भूमिका निभाने, आपदा के समय उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने और स्थानीय स्तर पर प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित आपदा मित्रों का समूह तैयार करना है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन



गोपेश्वर। पिथौरागढ़ के जौलजीबी मेले में कांग्रेस विधायक हरीश धामी को मंच से अपनी बात रखने और जनसमस्याएं उठाने का अवसर नहीं दिए जाने के विरोध में बृहस्पतिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गोपेश्वर बस स्टैंड तिराहे पर प्रदर्शन कर सरकार का पुतला फूंका।

जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी के नेतृत्व और नगर अध्यक्ष धीरेंद्र गरोड़िया के संचालन में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक परंपराओं और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान के विरुद्ध बताते हुए कड़ी निंदा की। इस मौके पर आनंद सिंह पंवार, संदीप झिंक्वाण, ऊषा रावत, सूर्य प्रकाश पुरोहित, भगत कनियाल, गोविंद सिंह सजवांण, कुंवर सिंह भंडारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डोईवाला महाविद्यालय में स्थापित हुआ पीजोमीटर वेल

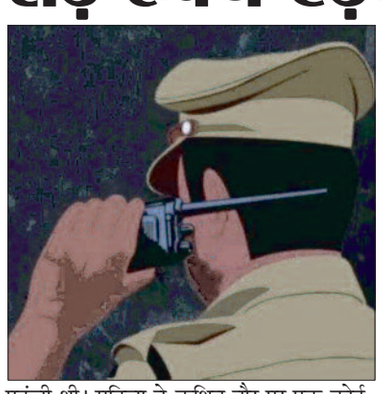
ऋषिकेश। शहीद दुर्गामल्ल पीजी कॉलेज परिसर में केंद्रीय भूमि जल बोर्ड की ओर से पीजोमीटर वेल स्थापित किया जा रहा है। इसके माध्यम से क्षेत्र में जमीन के नीचे मौजूद पानी के स्तर और उसमें होने वाले बदलावों की नियमित निगरानी की जा सकेगी। यह पहल भूजल संरक्षण और जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। डोईवाला महाविद्यालय परिसर में पीजोमीटर वेल यानी भूजल मापक कुआं के माध्यम से भूजन की गहराई और जमीन के नीचे पानी के दबाव से संबधित आंकड़े जुटाए जाते हैं। इन आंकड़ों से गर्मियों ,बरसात और सर्दियों के दौरान भूजल स्तर में होने वाले उतार– चढ़ाव का अध्ययन किया जा सकेगा। इससे क्षेत्र में भूजल की वास्तविक स्थिति समझने और भविष्य में जल संरक्षण से जुड़ी योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी। पीजोमीटर वेल से पानी का स्तर मापने का काम किया जाता है। इससे डोईवाला महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को भी लाभ मिलेगा।

हल्द्वानी में कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाकर 7 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप

हल्द्वानी (नैनीताल)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां भोटिया पड़ाव क्षेत्र निवासी एक कारोबारी को कथित रूप से हनी ट्रैप में फंसाकर करीब 7 करोड़ रुपये की वसूली करने और संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित कारोबारी का आरोप है कि एक महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर करीब 10 वर्षों तक उन्हें अश्लील फोटो–वीडियो वायरल करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। मामले में पुलिस ने महिला समेत पांच नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट केस के बहाने कारोबारी से बढ़ाई नजदीकियां

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, वर्ष 2015 में ज्योति सिंह नाम की महिला कारोबारी के लालकुआं स्थित स्टोन क्रशर पर



पहुंची थी। महिला ने कथित तौर पर एक कोर्ट केस का हवाला देते हुए कारोबारी से आर्थिक मदद मांगी। मदद मिलने के बाद महिला ने मुलाकात के बहाने कारोबारी से नजदीकियां बढ़ाईं और एक दिन उन्हें अपने घर बुलाया।

कारोबारी का आरोप है कि इस दौरान महिला ने खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर उनकी अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। इसके बाद इन्हीं फोटो–वीडियो के आधार पर उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया गया।

पांच करोड़ नकद और दो करोड़ की संपत्ति हड़पने का आरोप

तहरीर में कारोबारी ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2016 में ब्लैकमेल कर उनसे करीब 45 लाख रुपये वसूले गए। इसके बाद वर्ष 2022 में महिला ने कथित रूप से मो. मुस्ताक, कृष्ण कुमार, विरक और सोमवती समेत अन्य लोगों के साथ मिलकर उन्हें धमकाना शुरू कर दिया।

आरोप है कि अलग–अलग समय पर कारोबारी से करीब पांच करोड़ रुपये नकद और एक बाइक ली गई। इसके अलावा एक प्लॉट भी ज्योति सिंह, उसकी दो बेटियों और मुस्ताक के नाम कराया गया। कारोबारी के मुताबिक, नकदी और संपत्ति को मिलाकर करीब सात करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 27 ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 27 से अधिक ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से बाहर करने से रोक दिया है। अदालत ने मंगलवार को पेंटागन की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें फैसले पर रोक लगाने की अपील की गई थी। तीन जजों की पीठ ने 2-1 से यह फैसला सुनाया। इससे पहले जून में अदालत ने माना था कि ट्रांसजेंडर सैनिकों को उनकी लैंगिक पहचान के आधार पर बाहर करने की नीति गलत है। हालांकि, इस फैसले से नए ट्रांसजेंडर सैनिकों की भर्ती का रास्ता नहीं खुला है। मामला दोबारा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

आयरलैंड के एयरपोर्ट पर कुल्हाड़ी से अमेरिकी सैन्य विमान तबाह

डबलिन , एजेंसी। आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट पर एक व्यक्ति ने अमेरिकी सैन्य विमान को भारी नुकसान पहुंचाया। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, 48 वर्षीय दाइथी ओ 'कोरेन ने अप्रैल में एयरपोर्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़कर सी-130 हरक्यूलिस विमान में घुसपैठ की थी। उसने विमान की हाइड्रोलिक लाइनें काटीं, कॉकपिट के उपकरण तोड़े और ईंधन टैंक में धातु के गोले डाल दिए। करीब 60 मिलियन डॉलर का यह विमान अब उड़ान भरने लायक नहीं बचा है। आरोपी पर अमेरिकी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दोषी साबित होने पर उसे 10 साल तक की जेल हो सकती है।

इस्राइल की संसद को मिला नया स्पीकर

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की संसद ने मंगलवार को मातान कहाना को नया स्पीकर चुन लिया। उन्हें 120 सदस्यीय संसद में 66 वोट मिले, जबकि बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन वाले उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। कहाना, नेतन्याहू के विरोधी गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के सहयोगी हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसदीय बहुमत खो दिया था। नया स्पीकर चुने जाने से विपक्षी गठबंधन को संसद में विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। गठबंधन न्यायपालिका से जुड़े विवादित कानूनों को बदलने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की जांच कराने की तैयारी में है। इस्राइल में नेतन्याहू विरोधी गठबंधन संसद में कई विवादित कानूनों को बदलने की तैयारी कर रहा है। नए स्पीकर मातान कहाना के चुनाव से विपक्ष को विधायी प्रक्रिया में बढ़त मिली है। गठबंधन प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सीमा तय करने, न्यायपालिका की शक्तियां कमजोर करने वाले कानूनों को पलटने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की सरकारी जांच कराने वाले प्रस्ताव लाया है। हालांकि, गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के पास सरकार बनाने के लिए पांच सप्ताह तक का समय है। यदि वह सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं तो राष्ट्रपति नेतन्याहू को फिर मौका दे सकते हैं।

इटली में यहूदी-विरोधी भावना रोकने के लिए नया कानून

रोम, एजेंसी। इटली की संसद ने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए नए कानून को मंजूरी दे दी है। निचले सदन में इसे 147 वोट मिले, जबकि 93 सांसदों ने विरोध किया और पांच ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कानून में अंतरराष्ट्रीय होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस एलायंस की यहूदी-विरोधी भावना की परिभाषा को शामिल किया गया है। समर्थकों का कहना है कि इससे यहूदी-विरोधी घटनाओं से निपटने में मदद मिलेगी। वहीं, आलोचकों को आशंका है कि इसका इस्तेमाल इस्राइल की नीतियों की आलोचना रोकने के लिए हो सकता है। कानून में नए अपराध या सजा का प्रावधान नहीं किया गया है।

अमेरिका में हवाई यातायात व्यवस्था पर फिर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पिछले सप्ताह हवाई यातायात व्यवस्था में आई गड़बड़ी के बाद नए राउटर लगाने पर रोक लगा दी है। पहले से लगाए गए जुनिपर राउटर भी बंद कर दिए गए हैं। जांच में पता चला कि अर्कांसस के एल डोराडो में लगाया गया एक राउटर खराबी की वजह बना था। इससे देश के 22 में से 17 क्षेत्रीय हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र प्रभावित हुए थे। फिलहाल व्यवस्था चलाने के लिए 25 साल पुराने सिस्को राउटर इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

नेतन्याहू की बढ़ीं मुश्किलें: संसद में विपक्ष का बहुमत, आइजेनकोट के करीबी मतान कहाना बने नए स्पीकर

यरूशलेम, एजेंसी। इस्राइल की संसद (नेसेट) ने मंगलवार को नए स्पीकर का चुनाव किया। इसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार की नीतियों को पलटने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नए स्पीकर के रूप में मतान कहाना को चुना गया है, जो गादी आइजेनकोट के करीबी सहयोगी हैं। आइजेनकोट फिलहाल नेतन्याहू की जगह नई सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके गठबंधन ने कहाना के चुनाव के बाद नेतन्याहू की कुछ सबसे विवादित नीतियों को वापस लेने का वादा किया है।

कहाना को कितने वोट मिले : 120 सदस्यीय संसद में कहाना को 66 वोट मिले। उन्हें यह समर्थन यहूदी नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के साथ-साथ अरब नेतृत्व वाले दलों से भी मिला। वहीं, नेतन्याहू के गठबंधन की ओर से समर्थित उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। स्पीकर के चुनाव को लेकर संसद में सात घंटे से अधिक समय तक तीखी बहस चली। मतदान से पहले आइजेनकोट ने कहा, 'मतान कहाना की नेसेट स्पीकर के रूप में नियुक्ति एक उचित लोकतांत्रिक कदम है। यह बदलाव के पक्ष में स्पष्ट बहुमत को दर्शाती है।'

यह चुनाव 27 अक्तूबर को हुए संसदीय चुनावों के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इन चुनावों में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसद में अपना बहुमत खो दिया था। इसके बाद इस्राइल के राष्ट्रपति ने आइजेनकोट



को नई गठबंधन सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

आइजेनकोट के पास कितना समय : आइजेनकोट के पास गठबंधन बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने के लिए अधिकतम पांच सप्ताह का समय और है। सरकार गठन को लेकर बातचीत जारी रहने के बीच उनका गुट और असंबद्ध अरब नेतृत्व वाले दल नवगठित संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। पिछले सप्ताह इन दलों ने कई विधेयक पेश किए थे। इनमें प्रधानमंत्री के पद पर कार्यकाल की सीमा तय करना, सात अक्तूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों की जांच के लिए सरकार के नेतृत्व में जांच आयोग गठित करना और न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करने वाले कानूनों को वापस लेना शामिल है।

स्पीकर के पास संसद का एजेंडा तय करने की अहम भूमिका : यरुशलम स्थित थिंक टैंक इस्राइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के असाफ शापिरा के मुताबिक, कहाना के स्पीकर बनने से विपक्षी गठबंधन को विधायी प्रक्रिया में बड़ा फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समय बहुत कम है। नेसेट का स्पीकर विधायी प्रक्रिया को बहुत तेज या बहुत धीमा कर सकता है। कहाना ने नेतन्याहू के सहयोगी अमीर ओहाना की जगह ली है। आइजेनकोट और उनके सहयोगियों पर आने वाले सप्ताहों में अपनी विधायी प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाने का दबाव है।

फिलहाल आइजेनकोट की याशर पार्टी के सदस्य रॉय फोकमैन अस्थायी समिति के प्रमुख हैं। सरकार बनने तक संसद के ज्यादातर कामकाज से जुड़े फैसले यही समिति करती है। अगर आइजेनकोट सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं, तो इस्राइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू को सरकार बनाने का एक और मौका दे सकते हैं। ऐसी स्थिति में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को समिति का नियंत्रण मिलने की संभावना है।

शापिरा ने कहा कि भले ही नेतन्याहू के विरोधियों के पास तब भी संसद में बहुमत बना रहे, लेकिन उन्हें लगेगा कि उनकी राजनीतिक गति धीमी पड़ गई है। इससे कुछ विधेयकों के अटकने का वास्तविक खतरा पैदा हो सकता है।

संसद में सात अक्तूबर के हमले को लेकर तीखी बहस : मंगलवार को संसद में हुई बहस के दौरान सात अक्तूबर के हमले के जख्म भी सामने आए। बहस शुरू होने के कई घंटे बाद लिकुड पार्टी की सदस्य तालिक ग्विली ने अरब ज्वाइंट लिस्ट के वरिष्ठ सदस्य अहमद तिबी के भाषण के बीच हस्तक्षेप किया।

ग्विली का बेटा पुलिस अधिकारी था, जिसकी सात अक्तूबर को फलस्तीनी आतंकियों ने हत्या कर दी थी। उस समय तिबी संसद में दक्षिणपंथी सांसदों की नस्लवादी टिप्पणियों की आलोचना कर रहे थे। इसी दौरान ग्विली ने चिल्लाते हुए पूछा, 'मेरे बेटे को किसने मारा?' इस पर तिबी ने जवाब दिया, 'आप मुझे इसके लिए जिम्मेदार क्यों ठहराने लगी हैं? किसी अरब सांसद से ऐसा सवाल मत पूछिए।' इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। संसद के आसन से तिबी ने ग्विली से बिना किसी आधार के आरोप लगाने से बचने को कहा।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले- हिंदू-सिखों के खिलाफ नफरत बढ़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अमेरिका में हिंदू और सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। ममदानी ने मंगलवार को अपने कार्यालय में दिवाली कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले एक साल में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और सिख समुदाय के खिलाफ भी नफरत फैलाई गई। रामायण और महाभारत का जिक्र करते हुए ममदानी ने कहा कि रामायण हमें सिखाती है कि हमें कैसा भाई, पति, पत्नी और दोस्त बनना चाहिए। महाभारत परिवारों की असली तस्वीर दिखाती है। ममदानी की मां मीरा नायर पंजाबी हिंदू परिवार से आती हैं। 35 साल के ममदानी न्यूयॉर्क के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर हैं।

वॉशिंगटन हो या दिल्ली, नफरत फैलाने वाली राजनीति को रोकना होगा : ममदानी ने अमेरिका और भारत की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों की जिम्मेदारी है कि वे समाज में डर और नफरत फैलाने वाली बातों का विरोध करें। उन्होंने कहा, चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, हमें ऐसी राजनीति को खारिज करना चाहिए जो हमारी जिंदगी में अंधेरा लाती है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही वह अपने परिवार के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अब न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर पूरे शहर के लोगों के साथ यह त्योहार मनाना उनके लिए सम्मान की बात है।

हिंदू समुदाय के खिलाफ दो घटनाएं हुईं : इलिनॉय के मंदिर में गोलीबारी की कोशिश: 11 अक्टूबर को अमेरिका के इलिनॉय राज्य के औरोरा शहर में एक हिंदू मंदिर पर गोलीबारी की कोशिश हुई थी। पुलिस के मुताबिक 19 साल का एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस हथियार और गोलियां लेकर मंदिर पहुंचा था। उस समय मंदिर में नवरात्रि मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। आरोपी की राइफल जाम हो गई थी, जिसके बाद वह वहां से चला गया। उसके एक साथी कर्मचारी ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में उसके घर से राइफल, 300 से ज्यादा गोलियां और नाजी विचारधारा से जुड़ी चीजें मिलीं। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध हथियार रखने के आरोप लगे हैं।

सिएटल में दिवाली कार्यक्रम में हंगामा: 7 नवंबर 2026 को अमेरिका के सिएटल में दिवाली कार्यक्रम के दौरान दो लोगों ने ने हंगामा किया। दोनों विवादित पोस्टर लेकर कार्यक्रम में घुस आए। पोस्टर पर लिखा था- 'सभी भारतीयों को देश से निकालो'। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सांसद प्रमिला जयपाल ने इसकी निंदा की। 17 नवंबर को 13 अमेरिकी सांसदों ने FBI से मामले की जांच संभावित हेट क्राइम के तौर पर करने की मांग की। गुरुद्वारे की दीवारों पर नफरत भरी बातें लिखीं: 27 दिसंबर 2025 को न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में बाबा माखन शाह लुबाना सिख सेंटर की दीवारों पर अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक बातें लिख दीं।

कुवैत में ड्रोन हमलों का अलर्ट, सेना ने एक्टिवेट किया एयर डिफेंस सिस्टम

कुवैत सिटी, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरानी मीडिया ने किया विस्फोटों का दावा कुवैत सिटी। मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक व सैन्य तनाव के बीच कुवैत में ड्रोन हमलों का हाई अलर्ट जारी किया गया है। कुवैती सेना ने बुधवार को पुष्टि की कि देश की हवाई रक्षा प्रणालियां सक्रिय रूप से शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं। सेना के जनरल स्टाफ ने स्पष्ट किया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में सुनाई दे रही तेज धमाकों की आवाजें इन हवाई हमलों को हवा में ही रोकने (इंटरसेप्ट करने) की कार्रवाई का नतीजा हैं। कुवैती आर्मी ने सोशल मीडिया पर जारी किया बयान, ईरानी मीडिया ने दी विस्फोटों की खबरहवाई हमलों को नाकाम करने में जुटी सेना: कुवैत आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'कुवैत की हवाई रक्षा प्रणालियां इस समय शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं।' जनरल स्टाफ के अनुसार, एयर डिफेंस यूनिट्स पूरी सतर्कता के साथ हवाई खतरों को निष्क्रिय करने में जुटी हुई हैं, जिससे आसमान में धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

अरब सूत्रों के हवाले से विस्फोटों का दावा: दूसरी ओर, बीबीसी फारसी से मिली जानकारी के अनुसार, ईरानी मीडिया ने 'अरब सूत्रों' के हवाले से कुवैत में कई विस्फोट होने की खबरें प्रसारित की हैं। खाड़ी क्षेत्र में गहराता सैन्य टकराव, ईरान ने दी है अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी

बहरीन के बाद अब कुवैत में हलचल: गौरतलब है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच सीधा तनाव चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में ईरान ने बहरीन स्थित अमेरिकी रडार ठिकानों पर हमले करने की घोषणा की थी। तेहरान ने इसे केशम और सिरिक सहित खाड़ी के तटीय इलाकों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों की जवाबी कार्रवाई करार दिया था।

अमेरिका: 83 महिला सांसदों की अश्लील डीपफेक तस्वीरें ऑनलाइन? पेरिस हिल्टन के खुलासे से मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ऑनलाइन यौन उत्पीड़न और बिना सहमति के बनाई गई अश्लील तस्वीरों (अश्लील डीपफेक) का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। मॉडल और रियलिटी टीवी स्टार पेरिस हिल्टन ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी कांग्रेस की 156 महिला सांसदों में से 83 की अश्लील डीपफेक तस्वीरें फिलहाल इंटरनेट पर मौजूद हैं। हिल्टन ने मंगलवार शाम सीएनएन के कार्यक्रम 'द लीड' में एंकर जेक टैपर से बातचीत के दौरान यह जानकारी साझा की। उनका यह खुलासा सुनकर टैपर भी हैरान रह गए।

हिल्टन इन दिनों अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से डीईएफआईएएनसीई एक्ट पारित कराने की मांग कर रही हैं। यह



विधेयक इंटरनेट पर बिना सहमति के बनाई और साझा की जाने वाली यौन तस्वीरों और डीपफेक सामग्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है। मंगलवार को उन्होंने इस कानून को पारित कराने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के नेतृत्व से मुलाकात भी की। हिल्टन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जनवरी में कांग्रेस में डेमोक्रेटिक बहुमत आने से पहले मौजूदा सत्र में ही यह विधेयक पारित हो जाएगा। इससे पहले यह विधेयक अमेरिकी सीनेट से पारित हो चुका है।

विधेयक पारित नहीं हुआ तो पीड़ितों के लिए होगा दुखद : सीएनएन के एंकर जेक टैपर ने जब हिल्टन से पूछा कि क्या इस विधेयक को प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त समर्थन मिल रहा है, तो उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस का मौजूदा सत्र समाप्त होने से पहले इसे पारित नहीं किया गया, तो यह पीड़ितों के लिए बेहद दुखद होगा। हिल्टन ने इस मुद्दे को किसी राजनीतिक दल से जुड़ा मामला मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'यह रिपब्लिकन या डेमोक्रेटिक पार्टी का मुद्दा नहीं है।' उनके मुताबिक, ऑनलाइन यौन डीपफेक एक महामारी की तरह फैल रहे हैं और इससे निपटने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की जरूरत है। हिल्टन ने प्रतिनिधि सभा की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज (डेमोक्रेट-न्यूयॉर्क) और लॉरेल ली (रिपब्लिकन-फ्लोरिडा) की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों सांसदों ने इस विधेयक पर उनके साथ काम किया है और इस मुद्दे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने इस विषय पर एक अध्ययन किया है। इसके मुताबिक, अमेरिकी कांग्रेस की कुल 156 महिला सांसदों में से 83 की यौन डीपफेक तस्वीरें इस समय ऑनलाइन मौजूद हैं। हिल्टन ने कहा कि यह समस्या सभी को प्रभावित कर रही है। यह आंकड़ा सुनकर जेक टैपर ने हैरानी जताते हुए कहा, 'यह वाकई भयावह है।' डीईएफआईएएनसीई एक्ट का उद्देश्य बिना सहमति के किसी व्यक्ति की अश्लील या यौन तस्वीरें बनाने और उन्हें इंटरनेट पर साझा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता मजबूत करना है।

अलास्का में भी जीते डेमोक्रेट्स: मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन से छीना राज्य, 70 साल बाद सीनेट में सबसे बड़ी बढ़त

अलास्का , एजेंसी। अलास्का में अमेरिकी सीनेट की कड़े मुकाबले वाली दौड़ में, पूर्व प्रतिनिधि मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन को हरा दिया है। इस जीत के साथ ही, रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली एक और सीट (कुल नौवीं सीट) डेमोक्रेट्स के खाते में चली गई है। यह पिछले लगभग 70 वर्षों में किसी मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सबसे बड़ी बढ़त है।

अलास्का के लिए यह जीत क्यों है खास : पूर्व अमेरिकी कांग्रेसवुमन पेल्टोला, अलास्का की पहली डेमोक्रेटिक सीनेटर बनेंगी। उनसे पहले मार्क बेगिच इस सीट पर थे, जो 2009 से 2015 तक इस पद पर रहे थे। बता



दें कि वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुनी जाने वाली अलास्का की पहली मूल निवासी महिला हैं। वह उन केवल दो मूल निवासी महिलाओं में से एक हैं जो इस पद पर पहुंची हैं; दूसरी महिला पैगी फ्लैनागन हैं, जिन्होंने इस साल मिनेसोटा में सीनेट का चुनाव जीता है। अलास्का का मुकाबला मध्यावधि चुनावों में सीनेट की आखिरी दौड़ थी, जिसका परिणाम घोषित किया गया। इस मुकाबले में एक निर्दलीय उम्मीदवार को लेकर विवाद भी हुआ, जिसका नाम सुलिवन के नाम से मिलता-जुलता था।

पहले क्या थे ये आंकड़े : इससे पहले, 1958 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के दूसरे कार्यकाल के दौरान, डेमोक्रेट्स ने मध्यावधि चुनाव में नौ या उससे अधिक सीनेट सीटें जीती थीं। उस साल, डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली 13 सीटें छीन ली थीं और अलास्का की दो नई बनी सीटों पर भी जीत हासिल की थी, जिससे उन्हें कुल 15 सीटों का फायदा हुआ था।

पेल्टोला की जीत के बाद, जनवरी में जब नई कांग्रेस शुरू होगी, तब डेमोक्रेट्स के पास 56-44 का बहुमत होगा। पिछले 16 वर्षों में सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी की यह सबसे बड़ी बढ़त है। 3 जनवरी 2011 को समाप्त हुई 111वीं कांग्रेस के अंतिम दिनों में, डेमोक्रेट्स के पास सीनेट की 58 सीटें थीं। अगर अलास्का की सीट को छोड़ भी दें, तब भी डेमोक्रेट्स को जनवरी 2015 के बाद से सबसे बड़ा बहुमत मिल गया है। 2014 के मध्यावधि चुनावों में, राष्ट्रपति बराक ओबामा के दूसरे कार्यकाल के दौरान, रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स की नौ सीटें जीतकर सत्ता पर अपना नियंत्रण बना लिया था। बुधवार को मिसिसिपी में अमेरिकी सीनेट की दौड़ में डेमोक्रेट स्कॉट कोलोम की जीत के साथ, उनकी पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली आठवीं सीट मिल गई।

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग वापसी को तैयार:कहा- बोर्ड के फैसले पर ही लौटूंगा; चेयरमैन बोले- ऐसा कोई इरादा नहीं

कैलिफोर्निया, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार है। उन्होंने इस्तीफे के बाद मंगलवार को पहली बार एक्स पर पोस्ट कर बयान जारी किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एक चीनी महिला जासूस से अफेयर की खबरों के बाद पद छोड़ा था। अपने पोस्ट में हुआंग ने लिखा, अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उन अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा। हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है।

इस्तीफे के बाद जेन्सन का ये बयान क्यों अहम है... ये वापसी की खुली अपील है: हुआंग ने सीधे नहीं कहा- 'मुझे वापस लो।' उन्होंने कहा- 'अगर बोर्ड चाहे तो मैं तैयार हूं।' ये एक तरह से बोर्ड पर जनता और कर्मचारियों का दबाव बनाने वाली रणनीति मानी जा रही है।

गलती मानी, लेकिन डिटेल नहीं दी: उन्होंने गंभीर गलतियां और बोर्ड के लिए समस्याएं मानीं, लेकिन किस अफेयर की बात हो रही है, इसका नाम नहीं लिया।

अमेरिका कार्ड खेला: बयान में 3 बार अमेरिका, अमेरिकी नागरिक, अमेरिका के हित में कहा। ये इसलिए, क्योंकि उन पर आरोप चीन से जुड़े हैं। वो ये दिखाना चाहते हैं कि वो अमेरिका के साथ हैं।

परिवार से माफी: आखिरी लाइन में पत्नी और बच्चों से माफी



मांगी, 'मैं बाकी जिंदगी तुम्हारे लायक बनने में बिताऊंगा।'

हुआंग की वापसी के समर्थन में आए 1.90 लाख लोग : जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर 1 लाख 90 हजार से ज्यादा लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। टेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी वापसी का समर्थन किया है।

अमेरिकी संसद की समितियों के सामने पेश होंगे हुआंग : एनवीडिया के चिप्स चीन भेजने और अमेरिकी नियमों के उल्लंघन को लेकर कंपनी की जांच चल रही है। अमेरिकी संसद की प्रमुख समितियों ने मंगलवार को बताया कि जेन्सन हुआंग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हो गए हैं। वह 1 दिसंबर को समितियों के सामने पेश होंगे। इसके अगले दिन, 2 दिसंबर को कंपनी के जनरल काउंसल टिम टेटर से सवाल-जवाब होंगे। इस बीच, एनवीडिया ने नियमों की निगरानी के लिए बोर्ड की एक नई समिति बनाई है। यह समिति देखेगी कि कंपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों को चिप्स बेचने से जुड़े अमेरिकी नियमों का पालन कर रही है।

ट्रंप को मारना चाहता था पाकिस्तानी, अमेरिका ने सुनाई 27 साल 6 महीने की सजा

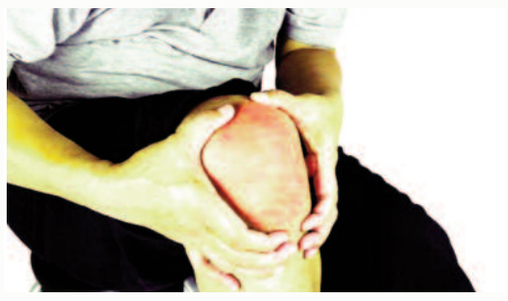
वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अभियोजकों का कहना है कि यह साजिश ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के निर्देश पर रची गई थी। हालांकि, अमेरिकी जांच एजेंसियों ने समय रहते इसे नाकाम कर दिया और किसी हमले को अंजाम नहीं दिया जा सका। अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को बताया कि न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित संघीय अदालत में जिला न्यायाधीश एरिक आर. कोमिटी ने मर्चेंट को 330 महीने की सजा सुनाई। 48 वर्षीय मर्चेंट को छह मार्च को जूरी ने हत्या के लिए सुपारी देने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश के आरोपों में दोषी ठहराया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मर्चेंट ने एक अमेरिकी राजनीतिक नेता की हत्या के लिए पेशेवर हत्यारों की तलाश की थी। हालांकि, जिन लोगों को उसने इसके लिए पैसे दिए, वे वास्तव में एफबीआई के अंडरकवर एजेंट थे। जांच एजेंसी ने हमले से पहले ही पूरी योजना का खुलासा कर दिया। मर्चेंट ने अदालत में गवाही दी। उसका मानना था कि इस साजिश का मुख्य निशाना ट्रंप थे। अभियोजकों के मुताबिक, उस



समय के राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली भी संभावित निशानों में शामिल थे। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने सजा की घोषणा करते हुए कहा, ''न्याय विभाग हमारे नेताओं के खिलाफ विदेशी आतंकवादी साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'' अभियोजकों का दावा था कि इस साजिश का मकसद ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना था। सुलेमानी जनवरी 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इराक में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। हालांकि, मर्चेंट ने अभियोजन पक्ष के इस दावे पर सवाल उठाया था कि वह वास्तव में हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए तैयार था। उसने अदालत में कहा था कि ईरान में उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर उसे डर था और उसका इरादा कभी भी हत्या करवाने का नहीं था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट स्वेच्छा से रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया अभियान में शामिल हुआ था और अमेरिका आने से पहले उसे प्रशिक्षण दिया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, एक रिश्तेदार के माध्यम से उसकी पहचान ईरान में मौजूद एक हैंडलर से कराई गई थी। इसके बाद तेहरान में दोनों की कई मुलाकातें हुईं।

मर्चेंट को कथित तौर पर काउंटर इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया गया और राजनीतिक रैली के दौरान हत्या को अंजाम देने के लिए अपराधियों की भर्ती करने के निर्देश दिए गए। मर्चेंट अप्रैल 2024 में ईरान में कुछ समय बिताने के बाद अमेरिका पहुंचा। उसने इस योजना में मदद के लिए अपने एक परिचित से संपर्क किया, लेकिन उस व्यक्ति ने एफबीआई को इसकी जानकारी दे दी और जांच एजेंसी के लिए मुखबिर बन गया। मुकदमे के दौरान पेश की गई एक रिकॉर्डिंग में मर्चेंट को कथित तौर पर यह समझाते हुए सुना गया कि किसी राजनीतिक नेता की रैली के दौरान हत्या किस तरह की जा सकती है। बाद में उसने उन लोगों से मुलाकात की, जिन्हें वह सुपारी लेकर हत्या करने वाले पेशेवर अपराधी समझ रहा था। उसने उन्हें बताया कि वह विदेश में मौजूद कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, प्रस्तावित गतिविधियों में दस्तावेजों की चोरी, राजनीतिक रैलियों में विरोध प्रदर्शन आयोजित करना और एक राजनीतिक नेता की हत्या करना शामिल था।



बदलते मौसम भयानक हो सकता है जोड़ों का दर्द, इन आसान तरीकों से अभी से करें बचाव

मौसम में धीरे-धीरे बदलाव आने लगा है। बदलते मौसम में अक्सर जोड़ों में जकड़न, दर्द या सूजन की शिकायत बढ़ जाते हैं। ठंड के मौसम की शुरुआत भी होने लगी है। यह समस्या बदलते मौसम में ज्यादा बढ़ जाती है। आयुर्वेद में बताया है कि जब शरीर में वात दोष बढ़ता है, तो वह जोड़ों में सूखापन और कठोरता पैदा करता है। इसी वजह से कई लोगों को गठिया या जोड़ों दर्द की पुरानी तकलीफ पैदा हो जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दी या नमी वाले दिनों में शरीर की ऊष्मा कम हो जाती है, जिससे रक्त प्रवाह धीमा पड़ने लगता है। जिस वजह से जोड़ों में जकड़न और सूजन बढ़ जाती है। हल्का दर्द अचानक तीव्र हो जाता है।

जोड़ों के दर्द से राहत देंगी ये आयुर्वेदिक उपाय

- जोड़ों के दर्द से आराम पाने के लिए सुबह गुनगुने तिल या सरसों के तेल से जोड़ों की हल्के मालिश करें।
- नहाने से पहले शरीर पर तेल की मालिश करें और रक्त संचार भी बेहतर होता और मांसपेशियां की जकड़न कम हो जाती है।
- सर्दियों के दौरान नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें, इस दौरान ठंडे पानी से नहाने बचना जरुरी है।
- भोजन में अदरक, हल्दी, लहसुन और मेथी शामिल करें। इन सभी चीजों में नैचुरल सूजनरोधी गुण होते हैं।
- ज्यादा देर बैठे या खड़े न रहें, बीच-बीच में एक्सरसाइज करें।

नहीं जमती दूध में मोटी मलाई तो ये टिप्स करेंगे आपका काम आसान

हर घर में दूध रोज आता है लेकिन दूध पर जमने वाली मोटी मलाई का भी लोग कई तरह से इस्तेमाल करते हैं। जितनी मलाई मोटी होगी उतनी ही खाने में भी स्वाद लगेगी। इसके अलावा मलाई से बहुत से लोग घर में घी भी निकालते हैं। दूध की मलाई जितनी मोटी होगी उतना ही घी अच्छी क्वालिटी का होगा। लेकिन बहुत सी महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके दूध से मलाई अच्छी तरह से नहीं जम पाती। ऐसे में आपको आज कुछ ऐसे आसान टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप घर के दूध से मोटी मलाई निकाल सकते हैं...

धीमी आंच पर उबालें दूध

ज्यादातर घरों में दूध को मीडियम और फुल फ्लेम पर ही गर्म किया जाता है। परंतु यदि आप दूध में से मोटी मलाई जमाना चाहते हैं तो दूध को 5-10 मिनट के लिए धीमी आंच पर उबालें।

उबाल आते न बंद करें गैस

दूध में उबाल आते हुए आप इस बात का ध्यान रखें कि गैस को एकदम से बंद न करें। दूध को उबालने के बाद कुछ मिनट के लिए कम आंच पर उबालें। इसके बाद ही गैस बंद करें। इस तरीके से भी दूध में मोटी मलाई जमेगी।

जाली से ढकें दूध

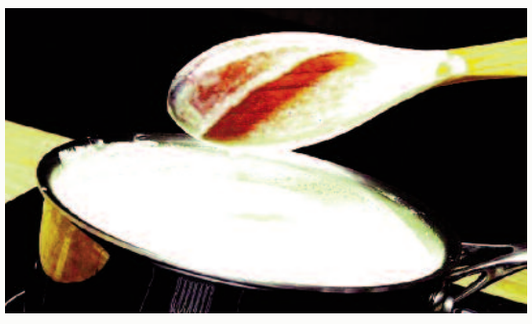
दूध को उबालने के बाद पूरी प्लेट से दूध को ढकने की जगह आप जाली से दूध को ढकें। इस तरीके से दूध आसानी से ठंडा भी होगा और उसमें मलाई भी मोटी जमेगी। पूरी प्लेट से दूध को ढक देने से भाप अच्छे से नहीं निकल पाती जिसके कारण मलाई भी मोटी नहीं जम पाती। ऐसे में आप दूध को जाली से ही ढकें।

सामान्य तापमान

दूध को सामान्य तापमान पर ठंडा करना आवश्यक है। गर्म दूध को फ्रिज में बिल्कुल भी न रखें। ठंडा दूध होने पर बर्तन को बिना हिलाए-जुलाए धीरे से फ्रिज में रखें। इससे दूध में मलाई मोटी जमेगी।

मलाई को निकालकर करें दूध का इस्तेमाल

दूध को जब भी इस्तेमाल करना है तो पहले उसमें जमी पूरी मलाई को निकाल लें। इसके बाद ही दूध का इस्तेमाल करें। इससे दूध में मलाई जमी रहेगी और बार-बार दूध का इस्तेमाल भी आप कर सकते हैं।





मुंह की बदबू से लेकर मसूड़ों की सूजन तक, अमरूद के पत्तों में छिपा है हर समस्या का राज

आज के समय में अधिकतर लोगों को छाले, मसूड़ों में सूजन, दांतों में दर्द और मसूड़ों से खून आने जैसी ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिसकी वजह से कई लोग परेशान रहते हैं। हालांकि इस समस्या से राहत पाने के लिए आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों में से एक और औषधीय गुणों से भरपूर अमरूद के पत्ते लाभकारी माने जाते हैं। अमरूद के पत्तों से बने माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है।

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुए पाए जाते हैं। जोकि मुंह के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं से राहत के लिए अमरूद के पत्तों से माउथ वॉश कैसे बनाएं और इससे क्या फायदे मिलते हैं।

अमरूद के पत्तों का माउथवॉश

इसके लिए एक गिलास पानी में 4-5 अमरूद के पत्ते, 1/4 छोटी चम्मच नमक और 2-3 लौंग डालकर इसको तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न रह जाए। फिर इसमें 1 चम्मच नारियल का तेल मिला दें। अब इस माउथ वॉश से कुल्ला करें।

माउथ वॉश के फायदे

एक्सपर्ट के मुताबिक अमरूद के पत्तों में कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसके पत्तों का माउथवॉश का इस्तेमाल करने से मुंह का स्वास्थ्य दुरुस्त होने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

मुंह की बदबू से राहत

अमरूद के पत्तों और लौंग में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया खत्म होती है और मुंह की बदबू से भी राहत मिलती है। इसका इस्तेमाल करने से फ्रेश फील होता है।

छालों से दे राहत

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह के संक्रमण से बचाव होता है और छालों की समस्या से भी राहत मिलती है। वहीं इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से मुंह के पीएच को बैलेंस रखने में सहायता मिलती है।

कैविटीज से बचाव

इस नेचुरल माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों के दर्द को कम करने, कैविटीज से बचाव करने, दांतों के पीलेपन को कम करने और इनको हेल्दी बनाए रखने में सहायता मिलती है।

मसूड़ों की मजबूती

अक्सर लोगों को मसूड़ों में ब्लीडिंग और सूजन होने की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में इस नेचुरल माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मसूड़ों की सूजन कम होती है। साथ मसूड़ों को टाइट कर मजबूती देने, ब्लीडिंग से बचाव करने और इंफेक्शन से बचाव करने में सहायता मिलती है।

दांतों होंगे हेल्दी

अमरूद के पत्ते, लौंग और नारियल तेल से बना माउथ वॉश से दांतों को मजबूती मिलती है। इससे दर्द और सूजन भी कम होती है। साथ ही इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों को नेचुरली साफ करने में मदद मिलती है।

पुरानी से पुरानी खांसी और जमे कफ को बाहर निकाल देगा ये देसी नुस्खा, सर्दियों में बेहद फायदेमंद



अक्टूबर का महीना खत्म होते-होते ठंड ने दस्तक दे दी है। यह मौसम जितना सुहावना होता है, उतनी ही परेशानियां भी साथ लाता है। खासकर खांसी, जुकाम और सीने में जमे कफ की समस्या लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई बार दवाइयां लेने के बाद भी इन समस्याओं से राहत नहीं मिलती। ऐसे में आयुर्वेदिक और देसी नुस्खे बेहद असरदार साबित हो सकते हैं।

अपनाएं ये देसी नुस्खा

पुरानी खांसी और जमे हुए कफ को निकालने के लिए यह नुस्खा बेहद कारगर है। इसके लिए सबसे पहले एक नींबू को धीमी आंच पर करीब 20 मिनट तक गर्म करें। इसके बाद उसे बीच से काट लें। अब एक चम्मच में आधा चम्मच नींबू का रस, आधा चम्मच अदरक का रस, एक चम्मच शहद और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर अच्छी तरह से मिश्रण तैयार करें। इसे धीरे-धीरे चाटें। इस घरेलू मिश्रण का म्युकोलिटिक ऐक्शन सीने में जमा हुए कफ को ढीला करता है और पुरानी से पुरानी खांसी से राहत दिलाता है।

सर्दियों में इन बातों का रखें ध्यान

संक्रमण से बचाव

सर्दियों के मौसम में संक्रमण (इंफेक्शन) का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। समय-समय पर हाथ धोते रहें, और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से पहले मास्क पहनें। जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है, उन्हें ठंड के मौसम में खास सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों को बार-बार खांसी-जुकाम और सर्दी से जुड़ी समस्याएं घेर सकती हैं।

रोज पिएं हल्दी वाला दूध

सर्दियों के मौसम में हर रात सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है। हल्दी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की इम्युनिटी को बूस्ट करते हैं और आपको खांसी, जुकाम तथा गले की खराश जैसी मौसमी समस्याओं से बचाते हैं। यह न केवल शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है, बल्कि सर्द मौसम में गर्माहट भी बनाए रखता है।

पौष्टिक आहार लें

सर्दियों के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन बेहद जरूरी है। अपने दैनिक भोजन में हरी सब्जियां, दालें, मौसमी फल और घर का बना ताजा खाना शामिल करें। इससे शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। इस मौसम में जंक फूड, तली-भुनी या बहुत मसालेदार चीजों से परहेज करें, क्योंकि ये पाचन को प्रभावित कर सकती हैं और सर्दी-जुकाम की समस्या बढ़ा सकती हैं।

यह नुस्खा सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी चिकित्सकीय सलाह का विकल्प नहीं है। अगर आपको लगातार खांसी या सीने में दर्द जैसी समस्या है, तो किसी योग्य चिकित्सक या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

रात भर मुंह में रखकर सोएं तुलसी का पत्ता, मिलेंगे गजब स्वास्थ्य लाभ

तुलसी का भारतीय घर में धार्मिक महत्व तो है ही लेकिन क्या आपको पता है कि ये एक औषधि भी है। आज भी हमारी दादी मां- नानी मां भी सर्दी- खांसी या कोई भी वायरल होने पर तुलसी का काढ़ा आदि पीने की सलाह देती हैं। बता दें तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटा- सेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं। आयुर्वेद की मानें तो ये कई बीमारियों का इलाज है।

पाचन तंत्र होता है बेहतर

अगर आपको गैस और एसिडिटी की दिक्कत रहती है, तो रोजाना मुंह में तुलसी के 2 पत्ते रखकर सोएं। इससे पाचन तंत्र स्ट्रांग बनेगा।

तनाव से मुक्ति

तुलसी की पत्तियों में भरपूर मात्रा में अडैप्टोजेन होता है, जो स्ट्रेस लेवल को कम करने में मददगार है। तुलसी की पत्तियां नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करती हैं। इसे खाकर सोने से मन शांत होता और बेहद पॉजिटिव महसूस होता है।

सिर दर्द होता है गायब

सर्दी- जुकाम से मिलती है राहत

तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो वायरस का जड़ से खत्म कर देते हैं। रातभर इन्हें मुंह में रखकर सोने से सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है।



अगर आपको लगातार सिर में दर्द रहता है और इस वजह से नींद भी नहीं आती है तो अपने मुंह में पत्ते रखकर सोएं। इसमें मौजूद गुण सिर के दर्द को कम करते हैं।

ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल में

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें तुलसी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन बढ़ता है और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

इम्यूनिटी होता है बूस्ट

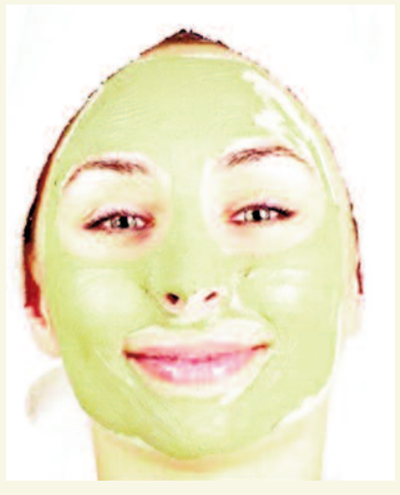
तुलसी की पत्तियों में मौजूद विटामिन सी एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। रोजाना इसे मुंह में रखकर सोने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी? इस तरह मिलेंगे बेहतर रिजल्ट्स

चेहरे की खूबसूरती और नेचुरल ग्लो बढ़ाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कई लगो करते हैं। यह स्किन से ऑयल और गंदगी हटाकर उसे साफ, मुलायम और फ्रेश बनाती है।

चेहरे पर चमक बनाए रखने के लिए लोग तरह-तरह की चीजों का उपयोग करते हैं। कई लोग मार्केट से महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर उपयोग करते हैं, तो कुछ लोग घर में ही मौजूद चीजों को लगाते हैं। ऐसे में अगर आप भी स्किन को मुलायम और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाने से कई तरह के फायदे होते हैं। इसका फेस पैक स्किन को गहराई से साफ करता है और चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल भी करता है।



हालांकि, कई बार लोग इसका गलत तरीके से उपयोग कर लेते हैं, जिससे स्किन ड्राई या रफ हो सकती है। अगर आप भी अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगा रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने का तरीका

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने के लिए सबसे पहले चेहरे को सही से साफ कर लें, ताकि स्किन के पोर्स खुल जाएं और गंदगी साफ हो सके। अब आप एक बाउल में दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें अपनी स्किन टाइप के मुताबिक कुछ चीजें मिला लें। आप इसके लिए किसी डॉक्टर से भी परामर्श ले सकते हैं।

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो आप मुल्तानी मिट्टी के साथ दूध या गुलाबजल का उपयोग कर सकते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके साथ आप नींबू का रस या एलोवेरा जेल का उपयोग कर सकते हैं। वहीं, नॉर्मल स्किन के लिए साफ पानी या दही बेहतर होता है।

चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक तैयार करने के बाद आप किसी मुलायम ब्रश या फिर उंगलियों की मदद से इसे चेहरे पर समान रूप से लगाएं। अब इसे करीब 10-15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। चेहरे से फेस पैक हटाने के बाद कोई हल्का मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं। इससे त्वचा में नमी बनी रहती है।



पौराणिक शैली में विकसित हो रहा राहु मंदिर, जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण



जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया पैठाणी स्थित पौराणिक राहु मंदिर का निरीक्षण करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद के पैठाणी स्थित पौराणिक राहु मंदिर को उसकी धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता के अनुरूप भव्य स्वरूप देने की दिशा में किए जा रहे प्रयास अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। मंदिर परिसर में पूर्व से मौजूद अव्यवस्थित संरचनाओं को हटाकर सुव्यवस्थित प्रांगण विकसित किया गया है, वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं भी तैयार की गई हैं। मंदिर को पारंपरिक पौराणिक शैली में आकर्षक स्वरूप देने के साथ ही इसे धार्मिक तीर्थाटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मंदिर के समग्र विकास को लेकर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया द्वारा पूर्व में आयोजित बैठकों और स्थलीय निरीक्षणों में लिए गए निर्णयों के क्रम में उन्होंने गुरूवार को पुनः मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अब तक किए गए निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का जायजा लिया तथा मंदिर समिति, स्थानीय ग्रामीणों और संबंधित अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राहु मंदिर का विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रहे, बल्कि इसकी पौराणिक पहचान, पारंपरिक वास्तुशैली और धार्मिक गरिमा को केंद्र में रखकर इसे एक विशिष्ट तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाए। जिलाधिकारी ने मंदिर में नवनिर्मित कक्षों का व्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतीक्षालय, पूजा हॉल सहित अन्य कक्षों पर नाम पट्टिकाएं लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रथम तल पर बनाए गए पूजा कक्ष को शीघ्र व्यवस्थित करने तथा भवन के पीछे की दीवार पर पत्थर लगाने का कार्य जल्द पूरा करने को कहा। उन्होंने पेयजल व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए वाटर प्यूरीफायर स्थापित करने और सार्वजनिक शौचालय निर्माण पर भी जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने मंदिर के प्रवेश द्वार को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने, रेलिंग का सौंदर्यीकरण करने, भवन की फिनिशिंग बेहतर बनाने तथा प्रवेश एवं निकास मार्गों पर साइनेज और व्यू कटर स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा के साथ परिसर का सुंदर दृश्य भी मिल सके।

जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और आध्यात्मिक वातावरण को और आकर्षक बनाने के लिए डेकोरेटिव पोल स्थापित किए जाने के निर्देश दिए। इनमें इनबिल्ट साउंड सिस्टम लगाया जाएगा, जिसके माध्यम से धार्मिक संगीत एवं भजन प्रसारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव होगा। उन्होंने मंदिर की मूल संरचना और धार्मिक स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य मंदिर एवं परिसर स्थित अन्य मंदिरों की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने तथा विशेष रासायनिक प्रक्रिया से उनकी सफाई पुरातत्व विभाग के माध्यम से कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सदस्य शिवचरण नौडियाल, मंदिर समिति अध्यक्ष विनोद सिंह रावत, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग लक्ष्मी प्रसाद भट्ट, सहायक अभियंता जगदीश नेगी, नायब तहसीलदार सुदामा सिंह रावत सहित मंदिर समिति, व्यापार सभा के सदस्य एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

दूसरे चरण में घाट निर्माण और राहु शिला क्षेत्र का होगा विकास

मंदिर विकास के दूसरे चरण में राहु शिला क्षेत्र को तीर्थाटन की दृष्टि से विकसित करने के साथ घाट का निर्माण, श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही के लिए मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर स्थित पुल में सुरक्षा जाली लगाने, राहु शिला क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने और पर्याप्त कूड़ेदान स्थापित करने जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त मंदिर के पीछे किचन-कम-स्टोर का निर्माण तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास पर भी चर्चा की गई। मंदिर समिति की ओर से रखे गए इन सुझावों पर जिलाधिकारी ने सहमति जताते हुए कार्यों को समिति की आवश्यकताओं और श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप आगे बढ़ाने की बात कही। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि पैठाणी राहु मंदिर का व्यवस्थित एवं आकर्षक विकास क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे पैठाणी क्षेत्र में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने के साथ स्थानीय व्यापार, स्वरोजगार और आजीविका के नए अवसर भी विकसित होंगे। इस दिशा में स्थानीय लोगों, मंदिर समिति और व्यापार संघ के सुझावों को भी विकास कार्यों में प्राथमिकता दी जा रही है।

शतरंज के सीनियर बालिका वर्ग में हिमांशी जीती

कर्णप्रयाग। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल जयकंडी में चल रही पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के चौथे दिन विभिन्न मुकाबले हुए। वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक विपिन कुंवर, प्रशांत बर्तवाल व नीलिमा पैलू ने रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इस दौरान हुई शतरंज प्रतियोगिता के सीनियर बालिका वर्ग में हिमांशी ने अर्पिता डिडोयाल को मात दी क्रिकेट के प्राथमिक बालक वर्ग में भाभा सदन ने आर्यभट्ट सदन को एक रन से हराया। जूनियर वर्ग में रामानुजन सदन ने भाभा सदन को छह रन और सीनियर वर्ग में आर्यभट्ट सदन ने रामानुजन सदन को दो विकेट से हराया। टॉफी दौड़ में नर्सरी वर्ग से दृष्टि, दक्ष राणा व आरना, पूर्व प्राथमिक से दिशा, वान्या मैखुरी व हर्षिता और लोअर प्राथमिक से अर्चित रावत, अहान पुरोहित व यूव्वी राणा ने क्रमशः पहले तीन स्थान प्राप्त किए।

राहुल गांधी से मुलाकात के बाद हरीश रावत में लौटा जोश

उत्तरकाशी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व से कई राजनीति मुद्दों पर खुली बातचीत से खुद को उत्साहित महसूस कर रहा हूं। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नई ऊर्जा व स्फूर्ति की अनुभूति हो रही है। इसका असर उत्तराखंड में दिखाई देगा। हरीश रावत ने कहा मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार यह है कि 80 की उम्र तब पार्टी नेतृत्व मुझे उत्तराखंड और देश में पार्टी के लिए उपयोगी माना है। इस उम्र में पार्टी नेतृत्व यह कहना मेरे लिए एक बूस्टर डोज का काम कर रहा है। काम तो मैं पहले भी करता रहता था या करता रहता हूं। मैंने अपनी धन्यवाद जनसंवाद यात्रा के विषय में भी नेतृत्व के सामने अपनी सोच रखने का अवसर मिला।

मुझे भी नोटिस देकर तलब किया

मैंने नेतृत्व को अवगत कराया कि मैं लंबे समय से बीमार रहा और एक गंभीर परिस्थिति से गुजरा और लोगों ने मेरे स्वास्थ्य को लेकर अपने-अपने तरीके से चिंताएं भी जताई। इसी दौरान ईडी ने भी मेरे एक सहयोगी के घर पर छापा मारा और मुझे भी नोटिस देकर तलब किया। मेरी धन्यवाद यात्रा से पार्टी को



लाभ मिल रहा था लेकिन प्रदेश प्रभारी की ओर से यात्रा रोके जाने का निर्देश मिलने के बाद मैंने अपनी आगे की धन्यवाद यात्रा स्थगित कर दी। हरदा ने कहा, जब चलते हैं तो बहुत सारी धूल उड़ती है, बहुत सारी आवाजें उठती हैं। इससे जो वास्तविक उद्देश्य होता है, वह ढक जाता है। हमारी यात्रा का जो वास्तविक उद्देश्य व लक्ष्य था, वह दोनों धूल और यातायात से उठती हुई आवाजों के कारण कुहासा सा छा गया। राष्ट्रीय नेतृत्व से बातचीत के बाद वह कुहासा छंट गया होगा।

घर-घर बांटा जाएगा समौण प्रसाद

ज्योतिर्मठ। बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने के बाद आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ में विराजमान हो गई है। इसके साथ ही नगर के प्रत्येक घर तक समौण (महाप्रसाद) पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज की पहल पर यह प्रसाद तैयार किया गया है ताकि नगर के प्रत्येक परिवार तक भगवान का आशीर्वाद पहुंचे। स्थानीय महिला मंगल दलों की महिलाओं ने पारंपरिक पहाड़ी व्यंजन अरसे और रोट तैयार किए हैं। इस वर्ष 18 महिला मंगल दलों की ओर से हजारों की संख्या में अरसे और रोट बनाए गए हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से भगवान को प्रसाद अर्पित किया। इसके बाद नगर के घर-घर में समौण प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पिछले वर्ष जोशीमठ का नाम बदलकर प्राचीन नाम ज्योतिर्मठ किए जाने की खुशी में "मेरू परिवार, मेरू समौण" अभियान के तहत घर-घर प्रसाद पहुंचाया गया था। इस वर्ष भी इस परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है।

भव्य और ऐतिहासिक बनाएंगे गोपेश्वर शरदोत्सव

गोपेश्वर। लंबे समय बाद होने जा रहे गोपेश्वर शरदोत्सव को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए नगर पालिका ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। महोत्सव के लिए नगरवासियों से सुझाव भी लिए जा रहे हैं ताकि इसमें स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभाओं को विशेष स्थान मिल सके। बृहस्पतिवार को नगर पालिका सभागार में आयोजित बैठक में पालिकाध्यक्ष संदीप रावत ने शरदोत्सव की रूपरेखा साझा करते हुए लोगों से सुझाव मांगे। जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण खत्री ने ढोल-दमाऊं प्रतियोगिता करने के साथ पूर्व सैनिकों को महोत्सव से जोड़ने और महिलाओं की मांगल प्रतियोगिता कराने का सुझाव दिया। बैठक में तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए नगर की बेहतरी से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार करने की प्रतियोगिता आयोजित करने, पुलिस मैदान से गोपीनाथ मंदिर तक मार्ग को आकर्षक ढंग से सजाने और विभिन्न खेल कराने के सुझाव भी आए। इसके अलावा बुजुर्गों को सम्मानित करने, महोत्सव को प्लास्टिक मुक्त रखने और स्मृति चिह्नों में स्थानीय उत्पादों को शामिल करने पर जोर दिया गया। पालिकाध्यक्ष संदीप रावत ने कहा कि आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा जिसमें पालिका के साथ नगर के लोगों को भी जिम्मेदारी दी जाएगी। सभी के सुझावों को महोत्सव में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष विनोद जोशी, चंद्रकला तिवारी, हेम पुजारी, ओमप्रकाश नेगी, मनीष नेगी, महेंद्र नेगी, संदीप झिंक्वाण, सभासद दीपक बिष्ट, दीपक भट्ट, सुशीला सेमवाल और ईओ अनिल पंत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नियमितीकरण और यूजीसी वेतनमान पर दो सप्ताह में प्रत्यावेदन देने के निर्देश

नैनीताल। हाईकोर्ट ने नियमितीकरण के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह के भीतर विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी के समक्ष नियमितिकरण व यूजीसी नियमों के अनुसार वेतन के लिए अलग-अलग प्रत्यावेदन देने की छूट दी है, जिस पर सक्षम प्राधिकारी को छह माह के भीतर विधि अनुसार निर्णय लेना होगा। इस बीच याचिकाकर्ताओं को बिना किसी ऐसी शर्त या अंडरटेकिंग के वित्त समिति द्वारा स्वीकृत वेतन/मानदेय का भुगतान किया जाएगा, हालांकि यह आदेश संकाय पदों के लिए चल रही चयन प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करेगा।

सीमांत इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी के पूर्व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धीरेंद्र गंगवार व अन्य की याचिकाओं का निस्तारण कर उन्हें अपनी मांगों के सम्बंध में सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रत्यावेदन देने को कहा है ।कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार सीमांत इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी के पूर्व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धीरेंद्र गंगवार व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि उनकी नियुक्ति 9 अगस्त 2012 को सीमान्त इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पिथौरागढ़ में सहायक प्राध्यापक के पद पर हुई थी। वह 2012 से देहरादून (वुमन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और वर्तमान में फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी, उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय) में सेवारत हैं।

डॉ. दिनेश ने अंग्रेजी में हासिल की पीएचडी की उपाधि

गोपेश्वर। पीजी कॉलेज गोपेश्वर के अंग्रेजी विभाग में कार्यरत डॉ. दिनेश सिंह पंवार को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा की ओर से अंग्रेजी विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोध कार्य ह्यपोट्रायल ऑफ वुमेन इन द वर्क्स ऑफ श्री अरबिंदोह्न (श्री अरबिंदो की रचनाओं में महिलाओं का चित्रण) विषय पर पूरा किया।उन्होंने यह शोध पीजी कॉलेज टनकपुर की प्राचार्य एवं शोध निर्देशक डॉ. अनुपमा तिवारी के निर्देशन में किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा लाइसेंस संख्या UK-1520120016746 है, जिसमें त्रुटिवश मेरे पिता का नाम VIDYA DUTT अंकित है। जबकि मेरे अन्य समस्त अभिलेखों में मेरे पिता का सही व वास्तविक नाम VIDYANAND अंकित है। अतः मेरे लाइसेंस संख्या UK-1520120016746 में मेरे पिता का सही व वास्तविक नाम VIDYANAND अंकित किया जाये।

नवीन चन्द्र पुत्र विद्यानन्द निवासी ग्राम मालकोट, तहसील चौबट्टाखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0633/21)

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे विभिन्न अभिलेखों में मेरा नाम अशोक कुमार था। मैंने अपना नाम अशोक कुमार से बदल कर अशोक कुमार विश्वास कर दिया है। भविष्य में मुझे मेरे नए नाम अशोक कुमार विश्वास के नाम से जाना पहचाना जाए।

अशोक कुमार विश्वास पुत्र हरिपद विश्वास निवासी अलकनंदा कॉलोनी, जौनपुर, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0634/21)

सलूड़-डुंग्रा में हुए पारंपरिक मुखौटा नृत्य

ज्योतिर्मठ। लाता की नंदा देवी की रानी दिवारा यात्रा के सलूड़-डुंग्रा पहुंचने पर चार दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। बृहस्पतिवार को यहां बिखोती मेले के साथ विभिन्न पारंपरिक मुखौटा नृत्यों का आयोजन किया गया। धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

यात्रा बुधवार देर शाम सलूड़-डुंग्रा पहुंची। चार दिवसीय आयोजन के तहत बृहस्पतिवार को भूमि क्षेत्रपाल देवता मंदिर परिसर में सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक धार्मिक अनुष्ठान हुए। इस दौरान बिखोती मेले और पारंपरिक मुखौटा नृत्यों ने लोगों का ध्यान खींचा। रात्रि में मां नंदा के जागरों के साथ गोपीचंद-रानी राधा नृत्य का आयोजन किया गया। लाता की नंदा देवी की रानी दिवारा यात्रा 40 साल बाद आयोजित हो रही है। 16 नवंबर को शुरू हुई यह यात्रा विभिन्न पड़ावों से होते हुए अपने प्रमुख पड़ाव सलूड़-डुंग्रा पहुंची है। शुक्रवार को अष्टमी का कार्यक्रम होगा। शनिवार को फुरचेली नृत्य, मां नंदा के पुष्प प्रसाद वितरण सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान होंगे। इसके बाद यात्रा अगले पड़ाव परसारी गांव के लिए रवाना होगी।

छात्र-छात्राओं को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

गोपेश्वर/पोखरी। पीजी कॉलेज गोपेश्वर और पीजी कॉलेज नागनाथ पोखरी में साक्षरता क्लब की ओर से निबंध व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। निर्वाचन साक्षरता क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. साजिया सिद्दीकी ने सभी को निर्वाचन संबंधी शपथ दिलाई। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा, डॉ. कंचन सहगल, डॉ. सोहानी, डॉ. श्वेता रावत, डॉ. प्रियंका घिल्डियाल, क्लब की सदस्य डॉ. अंजलि रावत आदि मौजूद रहे। इधर गोपेश्वर में ह्यनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतह्न थीम के तहत आयोजित नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम में एंटी ड्रग सेल के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश कुमार चंद्रियाल ने छात्र-छात्राओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार, डॉ. जगमोहन नेगी, डॉ. हर्षी खंडूड़ी, जिला युवा अधिकारी आदित्य राज दीक्षित, डॉ. मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

देवाल: 36 डीलरों को दो माह का नहीं मिला राशन



देवाल। ऑनलाइन राशन वितरण में गड़बड़ी से ब्लॉक के 36 डीलरों को अक्तूबर-नवंबर का राशन नहीं मिला है। अब तक ब्लॉक को भारत सरकार से केवल 20 फीसदी राशन ही प्राप्त हुआ है।

डीलरों को मिली डिजिटल तराजू और पॉश मशीनें खराब हैं। कई गांवों में इंटरनेट कनेक्टिविटी न होने से ऑनलाइन वितरण नहीं हो पा रहा है। बृहस्पतिवार को डीलर संघ की बैठक में डीलरों ने अक्तूबर-नवंबर का राशन, ऑफलाइन वितरण, खराब मशीनों की मरम्मत और ऑपरेटर व्यवस्था की मांग की। डीलरों ने मांगों पर कार्रवाई न होने पर इस्तीफे की चेतावनी दी। पूर्ति निरीक्षक मनोहर फस्वार्ण ने बताया कि ऑनलाइन वितरण के हिसाब से ही राशन मिल रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि 36 डीलरों का दो माह का राशन भारत सरकार से नहीं आया है। अतिरिक्त आवंटन के लिए पत्र भेजा गया है।

नंदकेशरी-जौला मार्ग की नहीं हुई मरम्मत

थराली। नंदकेशरी-जौला मार्ग की हालत खराब होने से वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को जान का जोखिम बना हुआ है। भूस्खलन से धंसे मार्ग की अब तक मरम्मत नहीं हुई है। न सुरक्षा दीवार बनी और न ही मार्ग चौड़ा हुआ। वही स्कपर का लिंटर खोखला होने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। अखोड़सारी, झड़िया और चिडंगा मल्ला गांव के 30 से अधिक बच्चे इसी मार्ग से स्कूल जाते हैं। यह देवाल बाजार पहुंचने का एकमात्र रास्ता भी है। ग्राम प्रधान राकेश चंद्र और लक्ष्मी देवी कई बार विभाग को पत्र देकर सड़क सुधारने की मांग कर चुके हैं लेकिन कार्रवाई नही हुई। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि बड़ी दीवार निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

सड़क नहीं बनी तो श्रमदान कर बनाएंगे ग्रामीण

कर्णप्रयाग। विकासखंड की ग्राम पंचायत गनोली के ग्रामीण सड़क निर्माण में हो रही देरी से नाराज हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी चमोली को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो 26 नवंबर 2026 से वे स्वयं गैंती और फावड़ा लेकर श्रमदान से सड़क निर्माण शुरू करेंगे। कांचुला-गैन सजाकटा मोटर मार्ग को वर्ष 2006 में सरकार से स्वीकृति मिली थी और 2018 में सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। इसके बावजूद अब तक केवल ढाई किमी सड़क ही बन पाई है, जबकि चार किमी से अधिक निर्माण कार्य लंबित है। ग्रामीण दर्शन सिंह, ग्राम प्रधान कुसुम देवी और सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सड़क न होने से तीन से अधिक गांवों के लोग मूलभूत सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं से वंचित हैं। उन्हें तीन किमी से अधिक की खड़ी चढ़ाई पार करनी पड़ती है। ज्ञापन की प्रतिलिपि एसडीएम कर्णप्रयाग, थानाध्यक्ष कर्णप्रयाग और पीएमजीएसवाई कार्यालय को भी भेजी गई है। पीएमजीएसवाई के ईई सचिन कुमार ने बताया कि सड़क का प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

बहुभाषी लेखक धर्म सिंह फरस्वाण को किया सम्मानित

गोपेश्वर। चमोली के बहुभाषी लेखक एवं शिक्षाविद् धर्म सिंह फरस्वाण को गौचर विकास एवं सांस्कृतिक मेले में सम्मानित किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मेला समिति और भारतीय सेना के अधिकारियों ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। धर्म सिंह फरस्वाण ने बताया कि वह कई वर्षों से प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में विद्यार्थियों और युवाओं को शिक्षा, करियर निर्माण, रोजगार के अवसरों तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के महत्व के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

कांग्रेसी नेता और विधायक के बीच नोकझोंक

चंपावत। लोहाघाट रामलीला मैदान में हुई सभा में उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा के सामने कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर सामने आई। विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के संबोधन के बाद जब सभी नेता मंच से जाने लगे तो मोहन सिंह ढेक (मुन्ना) ने माइक पकड़ा और कहा कि लोहाघाट में टिकट बदलोगे तो कांग्रेस जीत जाएगी। सड़क पर कांग्रेसी नेता मोहन सिंह ढेक और वर्तमान विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। इससे माहौल गरमा गया। सुरक्षा कर्मियों और अन्य को बीच-बचाव करना पड़ा। कांग्रेस नेता ढेक को मंच पर बोलने का अवसर नहीं दिया गया। ऐसे में समर्थकों में नाराजगी थी। मुन्ना ढेक ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रैली को सफल बनाने के लिए उन्होंने पूरी ताकत लगाई और बड़ी संख्या में जनता को कार्यक्रम में पहुंचाया लेकिन उन्हें बात रखने तक का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में खुशाल सिंह अधिकारी को टिकट दिया जाता है तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

यशपाल आर्य ने किया समर्थन : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने विधायक खुशाल सिंह अधिकारी को बुलाकर जनता से अपील करते हुए कहा कि लोहाघाट को खुशाल बनाना है। बता दें कि लोहाघाट से वर्तमान विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल और वरिष्ठ



कांग्रेसी मोहन सिंह ढेक उर्फ मुन्ना दावेदारी कर रहे हैं।

कार्यकर्ताओं को नसीहत, सार्वजनिक रूप से बयानबाजी करना उचित नहीं

प्रदेश प्रभारी सैलजा ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से साफ तौर पर कहा कि वह आपसी मतभेद भुलाएं और कांग्रेस को जिताने का काम करें। सभा के दौरान हंगामे और बयानबाजी पर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि पार्टी के भीतर किसी भी नेता या कार्यकर्ता को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। कोई भी नेता उनसे, देहरादून में या पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मिलकर अपनी बात रख सकता है। कई नेता दिल्ली जाकर भी अपनी बात रखते हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पार्टी के खिलाफ बयानबाजी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को कोई शिकायत या समस्या है तो उसे पार्टी फोरम पर उठाना चाहिए। आपसी खींचतान और छोटी-मोटी बातों का कोई खास महत्व नहीं है। आजकल देखने को मिलता है कि जब कोई व्यक्ति उन्नति की ओर बढ़ता है तो कुछ लोग उसकी टांग खींचने में लग जाते हैं। जनता ने जो आशीर्वाद देना था, वह दिल खोलकर दिया है। आपसी छोटी-मोटी बातें होती रहती हैं लेकिन इनसे कोई फर्क नहीं पड़ता। – **खुशाल सिंह अधिकारी, विधायक, लोहाघाट**

यदि पार्टी टिकट नहीं देती है और किसी दूसरे व्यक्ति को प्रत्याशी बनाती है तो कांग्रेस के लिए काम करने को तैयार हैं। मैं पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम करूंगा लेकिन अगर वर्तमान विधायक को टिकट मिलता तो उसके लिए प्रचार नहीं करूंगा। अगर मुझे इस्तीफा देना है तो मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं। –मोहन सिंह ढेक (मुन्ना), वरिष्ठ कांग्रेसी, पूर्व पीसीसी

संगठन की मजबूती के लिए काम करते रहेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करना है। एकमात्र लक्ष्य कांग्रेस संगठन को मजबूत करना और पार्टी को आगे बढ़ाना है। – चिराग फर्त्याल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष

कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भरी हुंकार

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने शंखनाद कर दिया है। कांग्रेस की आयोजित विशाल जनसभा में विभिन्न स्थानों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। पार्टी नेताओं ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और धामी सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

नगर लोहाघाट के रामलीला मैदान में विधायक खुशाल सिंह अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित जनसभा में पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने भाजपा की धामी सरकार पर हमला बोला।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	262-DRM-MB-26-27 Date 19.11.2026		
कार्य का नाम	Flash butt Welding of Rails of 260 Mtr panel / any length (60Kg or higher, new/in service) at Track Renewal Sites under sanctioned Track Renewal Works in main and loop lines (TRR,CTR, TTR etc.) over Moradabad division under Sr. DEN/C/MB.		
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	15.12.2026	टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	8,68,35,516.45	धरोहर राशि	17,36,700.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	18 माह	बिडिंग आरंभ तिथि	01.12.2026
टेन्डर नं. Sr. DEN-C/Publication/26-27 दिनांक 19.11.2026			4038/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

सूचना संख्या 38/2026 दिनांक : 18.11.2026

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी (रु.)	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1	44/वरिष्ठ मं. वि. अभि./सा./मु.रा./2026 :- मुरादाबाद मंडल में TSS, SP और SSP स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ बॉन्डिंग और अर्थिंग सिस्टम में सुधार से संबंधित सामान्य विद्युत कार्य।	7215824.62 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	144300.00	6 (छः) माह	निविदाएँ दिनांक 10.12.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/ मुरादाबाद।
2	45/वरिष्ठ मं. वि. अभि./सा./मु.रा./2026 :- मुरादाबाद मंडल में उच्च मूल्य वाले सुरक्षा-महत्वपूर्ण उपकरणों के सुरक्षित रखरखाव के लिए S&T स्टोर में सुधार हेतु विद्युत कार्य।	3644608.86 (जीएसटी सहित)		72900.00			

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 4026/26

सब कुछ तय, बस ऐलान बाकी!

IPL 2027 में रोहित शर्मा फिर संभालेंगे MI की कमान? देख लीजिए ये पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. हार्दिक पंड्या ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हो चुके हैं और अब रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस बीच फ्रेंचाइजी के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इन अटकलों को और हवा दे दी है. मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें रोहित शर्मा की तस्वीर बैकग्राउंड में नजर आ रही है और उनके पीछे 'मुंबईचा राजा' लिखा है. इसका मतलब है मुंबई का राजा. फ्रेंचाइजी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'सीजन 17 मुंबईचा राजा के लिए ब्लू एंड गोल्ड में! पलटन, TATAIPL 2027 के लिए तैयार?' इस पोस्ट के सामने आते ही फैन्स ने रोहित को दोबारा कप्तान बनाने की मांग शुरू कर दी. कई फैन्स ने कमेंट में 'कैप्टन रोहित शर्मा' और 'कैप्टन रोहित शर्मा के दौर में एक बार फिर तैयार' लिखा. हालांकि, मुंबई इंडियंस ने अभी आधिकारिक तौर पर कप्तान के नाम का ऐलान नहीं किया है.

रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं. उनकी कप्तानी में टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में कुल पांच आईपीएल खिताब जीते थे. उन्होंने 2013 से 2023 तक टीम की कप्तानी की. इसके बाद 2024 से 2026 के बीच हार्दिक पंड्या ने यह जिम्मेदारी संभाली. अब हार्दिक के टीम से बाहर होने के बाद रोहित की कप्तानी में वापसी की संभावना जताई जा रही है.



MI ने 16 खिलाड़ियों को किया रिटेन – मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 के लिए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा, नमन धीर, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटन डिकॉक, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, शार्दुल ठाकुर, राज बावा, मिचेल सैंटनर, अश्वनी कुमार और रघु शर्मा को रिटेन किया है. वहीं, अर्शदीप सिंह ट्रेड के जरिए टीम से जुड़े हैं. फ्रेंचाइजी ने ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, एएम गजनफर, अथर्व अंकोलेकर, केशव महाराज, मोहम्मद इजहार, दानिश मालवेर, मयंक मार्कंडे, मयंक रावत, महीपाल लोमरोर, रॉबिन मिंज, रुचित अहिर और कृष्ण भगत को रिलीज किया है. हार्दिक पंड्या भी ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हुए हैं. मुंबई इंडियंस के पास अब 32.6 करोड़ रुपये का पर्स बचा है. टीम के पास कुल 9 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं.

पोलार्ड बने हेड कोच, उथप्पा को भी बड़ी जिम्मेदारी – मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग सेटअप में भी बदलाव किया है. वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अब टीम के हेड कोच होंगे. भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को बॉलिंग कोच बनाया गया है. इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी मिली है. मुंबई के अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी डेवलपमेंट बॉलिंग कोच के तौर पर नए कोचिंग सेटअप का हिस्सा होंगे.

सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने पर शास्त्री-गावस्कर और रहाणे ने जताई नाराजगी, बोले-यह चौंकाने वाला फैसला

वेलिंग्टन, एजेंसी। भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा कि मोहम्मद सिराज के अनुभव और आक्रामकता के कारण उन्हें बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की अंतिम एकादश में जगह मिलनी चाहिए थी, और उन्होंने सवाल किया कि तेज गेंदबाज को ऐसी पिच पर क्यों बाहर रखा गया जहां सीम मूवमेंट को बढ़ावा मिलता था। रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उम्मीद है कि भारत मजबूती से वापसी करेगा। मगर अगर गति, कौशल और सीम मूवमेंट मानदंड थे और 140 क्लिक हासिल करना मुश्किल था, तो किसी को सवाल पूछना होगा। मोहम्मद सिराज कहां थे? अनुभव, आक्रामकता और गेंद के साथ कुछ करने की क्षमता। निश्चित रूप से यह कुछ मायने रखता है।' आंकड़े शास्त्री की बात का समर्थन करते हैं। सिराज वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में 26.81 की औसत से 43 विकेट के साथ भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अंतिम एकादश से बाहर किए गए रवींद्र जड़ेजा भी 33 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वह भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने 60.76 की औसत से 790 रन बनाकर रन बनाने वालों की सूची में तीसरा स्थान साझा किया है, जिसमें दो शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं। शास्त्री अकेले नहीं थे जिनका मानना ??था कि भारत ने सिराज द्वारा गेंदबाजी आक्रमण में लाए गए योगदान को नजरअंदाज कर दिया है। जैसे ही बेसिन रिजर्व में पहला दिन बीत गया, अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी चयन पर सवाल उठाया। भारत के पास न्यूजीलैंड का स्कोर 70/5 था, लेकिन हेनरी निकोल्स (नाबाद 113) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 94) ने 173 रनों की अटूट साझेदारी की, जिससे स्टंप्स तक मेजबान टीम का स्कोर 243/5 हो गया। यह उस तरह का स्पैल था जिसमें सफलता दिलाने में सक्षम गेंदबाज की सबसे ज्यादा जरूरत थी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के प्रसारण पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सिराज के वेलिंगटन में नहीं खेलने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि संकेत तब थे जब उन्हें 50 ओवरों की टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने केवल आखिरी गेम खेला था। दरअसल, जब उन्होंने आखिरी गेम खेला था, तो मैंने सोचा था कि वे उन्हें यहां मैच के लिए तैयार कर रहे थे। मगर अंतिम एकादश में उनका नाम न देखना एक आश्चर्य है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि उन्होंने भारत को निराश किया है, उन्होंने कभी भी भारत को निराश नहीं किया है। उनकी गेंदबाजी में कुछ भी गलत नहीं हुआ है। उनकी लय अच्छी है। हमने उन्हें बीच-बीच में देखा है कि उन्होंने जो भी क्रिकेट खेला है, वह ठीक रहा है। उन्हें क्यों नहीं चुना गया यह कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं पता। '



वेलिंगटन टेस्टः

निकोलस का शतक, फिलिप्स सैकड़े के करीब, पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन बनाए



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान टॉम लैथम और डेवन कोनवे जल्दी आउट हो गए। लैथम 0 और कोनवे 4 के स्कोर पर आउट हुए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हेनरी निकोलस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रचिन रवींद्र (15), डेरिल मिशेल (1) और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल (5) के विकेट गिरने से टीम की मुश्किलें बढ़ गईं। 70 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी मेजबान टीम को निकोलस और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए ग्लेन फिलिप्स ने संभाल लिया है।

प्रीमियर लीगः

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पोचेटिनो करेंगे डेब्यू, ऐतिहासिक उपलब्धि पर होगी आर्सेनल की नजर



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियर लीग के 11वें मैचवीक में कई बड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे। एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल मुकाबले में मॉरिसियो पोचेटिनो पहली बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के तौर पर उतरेंगे। वहीं, न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ मैच में आर्सेनल एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेगा। अपने पहले 11 लीग मैचों में 10वीं जीत की तलाश कर रही आर्सेनल, प्रीमियर लीग के इतिहास में ऐसा करने वाली केवल पांचवीं टीम बन सकती है। इससे पहले केवल चेल्सी (2005-06), मैनचेस्टर सिटी (2011-12 और 2017-18) और लिवरपूल (2019-20) ही ऐसा कर पाई हैं। दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड प्रीमियर लीग में लगातार 8 मैचों से जीत नहीं पाई है, जिसमें 5 ड्रॉ और 3 हार शामिल हैं। इस सीजन में यह किसी भी टीम का सबसे लंबा बिना जीत वाला सिलसिला है। इससे पहले, क्लब को नवंबर 1989 से फरवरी 1990 के बीच ऐसे ही दौर से गुजरना पड़ा था, जब वह लगातार 11 मैचों तक कोई जीत हासिल नहीं कर पाया था।

पोचेटिनो मैनचेस्टर यूनाइटेड के ऐसे पहले मैनेजर बन जाएंगे, जो क्लब के साथ प्रीमियर लीग में अपना डेब्यू लिवरपूल के खिलाफ करेंगे। लिवरपूल को कोडी गैकपो से भी काफी उम्मीदें होंगी। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग में 5 गोल किए हैं, जो किसी भी अन्य प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किए गए उनके गोलों से अधिक हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ अपने पिछले 3 मैचों में से हर बार उन्होंने गोल किया है।

वहीं, मैनचेस्टर सिटी अपने घरेलू मैदान पर फुलहम का सामना करेगी और लंदन के इस क्लब के खिलाफ अपनी शानदार जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगी। सिटी ने सभी प्रतियोगिताओं में फुलहम के खिलाफ अपने पिछले 20 मुकाबले जीते हैं, जिसमें लगातार 17 लीग मैच भी शामिल हैं। इंग्लिश फुटबॉल में एक टीम द्वारा दूसरी टीम के खिलाफ दर्ज की गई यह सबसे लंबी जीत की लय है। हालांकि, एंजो मारेस्का की टीम (चेल्सी) को इस सीजन में अपने पिछले तीन प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि फुलहम अपने पिछले 4 मैचों में अजेय रही है, जिसमें उन्होंने 2 जीत हासिल की हैं और 2 मैच ड्रॉ खेले हैं। एस्टन विला में उनाई एमरी प्रीमियर लीग में 150 मैचों में टीम को मैनेज करने का मुकाम हासिल करेंगे। मार्टिन ओ'नील के बाद, ऐसा करने वाले वह विला के दूसरे मैनेजर बन जाएंगे। एमरी ने अपने पहले 149 लीग मैचों में 76 जीत, 33 ड्रॉ और 40 हार दर्ज की हैं। इस सीजन में विला के फॉरवर्ड निकोलस जैक्सन भी सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 6 गोल किए हैं और उनसे आगे केवल एर्लिंग हालैंड (9 गोल) और अलेक्जेंडर इसाक (7 गोल) हैं। बोर्नमाउथ का सामना नॉटिंघम फॉरेस्ट से होगा, तो उनकी कोशिश पहली बार लगातार 5 टॉप-फ्लाइट मैच जीतने की होगी।

रबाडा-हार्मर का चला जादू, साउथ अफ्रीका ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 9 विकेट से रौंदा। द वांडरर्स क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश से मिले महज 12 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। टेस्ट के पांचवें और आखिरी दिन अपने 100/5 के स्कोर से आगे खेलते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम दूसरी पारी में 168 रन बनाकर सिमटी। टीम की ओर से लिटन दास ने 38 गेंदों में सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि महफिजुल इस्लाम ने 32 रनों का योगदान दिया। हालांकि, इन दोनों को छोड़कर बांग्लादेश के बाकी बल्लेबाजों ने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों के आगे आसानी से घुटने टेक दिए। तौहीद हिरदॉय ने 23 रन बनाए जबकि मुशफिकुर रहीम ने 22 रनों का योगदान दिया। मेहदी हसन मिराज ने 15 रन बनाए। दूसरी पारी में बांग्लादेश के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 51 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले कगिसो रबाडा ने दूसरी इनिंग में भी 3 विकेट झटके। मार्को जानसेन ने एक विकेट अपने नाम किया।



रबाडा ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 8 विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले, बांग्लादेश ने पहली पारी में तौहीद हिरदॉय द्वारा खेली गई 137 और लिटन दास की 120 रनों की शानदार पारियों की बदौलत 400 रन बनाए, जो टीम का टेस्ट क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। तंजीद हसन तमीम ने 67 रनों का योगदान दिया। रबाडा ने पहली पारी में 5, जबकि डेन पैटरसन ने 4 विकेट निकाले। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 557 रन बनाए। टीम की ओर से मार्क्वेस एकरमैन ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 157 रनों की लाजवाब पारी खेली।

वहीं, रयान रिकेल्टन ने 102 रन बनाए। जुबैर हमजा ने 83 और कप्तान टेंबा बावुमा ने 68 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में गेंद से 5 विकेट लेने वाले रबाडा ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया और 72 रनों की बेहतरीन पारी खेली। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 157 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

हॉन्गकॉन्ग ओपनः

रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन को हराया, लक्ष्य सेन अगले दौर में; जानें अन्य नतीजे



हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ियों ने हॉन्गकॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई को हराया। वहीं, पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन अगले दौर में पहुंच गए। भारत की रक्षिता रामराज ने गुरुवार को हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई को सीधे गेम में हरा दिया। कोयंबटूर की 19 वर्षीय रक्षिता ने यूफेई को 21-18, 24-22 से हराकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार जीत में से एक दर्ज की। रक्षिता का अगला मुकाबला थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा।

रक्षिता ने करियर की सबसे बड़ी जीत बताया – रक्षिता ने शुरुआती दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट को भी हराकर उलटफेर किया था। मैच के बाद रक्षिता ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत में से एक है। वह मेरी सबसे बड़ी आदर्श हैं और मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने उन्हें हरा दिया। यह मेरे बैडमिंटन करियर के सबसे यादगार दिनों में से एक रहेगा।

चेसः

टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानंद ने अपने मुकाबले जीते, जानें किसे हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। अर्जुन एरिगैसी ने जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराकर टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट में अपना मैच जीता। वहीं, आर. प्रज्ञानंद ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। प्रज्ञानंद की जीत के साथ ही उनकी बहन आर. वैशाली के साथ होने वाला संभावित मुकाबला टल गया। एरिगैसी ने पहले दिन का मुकाबला 11.5-8.5 से जीता था। फॉरेस्ट ने बुधवार को वापसी करते हुए दूसरे दिन 12-8 से जीत हासिल की। इससे नौवें से 12वें स्थान के लिए आर्मागेडन में एक निर्णायक मुकाबला हुआ। काले मोहरों से खेलते हुए, वैन फॉरेस्ट ने टाई-ब्रेक में ज्यादातर समय जीत की स्थिति बनाए रखी। लेकिन उन्होंने 34वें मूव पर अपना फायदा गंवा दिया। इसका फायदा एरिगैसी को मिला और भारतीय खिलाड़ी ने जीत हासिल कर ली। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। आर. प्रज्ञानंद ने उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव को हराकर 21वें स्थान के लिए मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। फास्ट क्लासिक गेम से पहले वह 3.5-8.5 से पीछे चल रहे थे, लेकिन काले मोहरों से खेलते हुए जीत के साथ वापसी की और दिन का स्कोर 11.5-8.5 कर दिया। अब उनका सामना अभिमन्यु मिश्रा से होगा। अगर प्रज्ञानंद यह मुकाबला हार जाते, तो उन्हें 23वें और 24वें स्थान के लिए वैशाली के खिलाफ खेलना पड़ता।



2027 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे ऐश बार्टी और शिंगो कुनिदा

नई दिल्ली, एजेंसी । चार बार की मेजर चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ऐश बार्टी को खिलाड़ी श्रेणी में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। जापान के शिंगो कुनिदा, जो चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और 50 बार के मेजर चैंपियन हैं, उन्हें 'व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी' में चुना गया है। इस श्रेणी में उन खिलाड़ियों को जगह दी जाती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो। बार्टी तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) 2019, विंबलडन 2021 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 के खिताब जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी जीता था। सिंगल्स में वह 2019 में वर्ल्ड नंबर 1 बनीं। वह कुल 121 हफ्तों तक टॉप पर रहीं, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल रहे। इसके साथ ही 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक वह 'ईयर-एंड नंबर 1' (साल के अंत में नंबर 1) रहीं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के बाद, जब वह वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग पर थीं, तब उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया था। वह इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनेंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला होंगी। बार्टी ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऑस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक 'टीम एफर्ट' (सामूहिक प्रयास) था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की। ' वहीं, शिंगो कुनिदा इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले जापान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वह इतिहास के सबसे सफल पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं, जिनके नाम रिकॉर्ड 28 मेजर सिंगल्स खिताब और कुल 50 मेजर खिताब दर्ज हैं। चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो 'करियर गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाले पहले पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बने और उन्होंने रिकॉर्ड 582 हफ्तों तक विश्व नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग अपने नाम रखी। 2010 में हॉल ऑफ फेम द्वारा इस श्रेणी को शामिल किए जाने के बाद से कुनिदा इसमें जगह पाने वाले आठवें व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। बार्टी और कुनिदा को यह खबर हॉल ऑफ फेम के सह-अध्यक्ष किम क्लाइस्टर्स और पैट्रिक मैकेनरो द्वारा किए गए सरप्राइज वीडियो कॉल के जरिए मिली।



खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में उनकी जगह को सम्मान देते हुए इस वीडियो कॉल में हॉल ऑफ फेम के लगभग 20 अन्य सदस्य भी शामिल हुए। ट्रेसी ऑस्टिन, जिम कूरियर, रोजर फेडरर, मार्टिना नवरातिलोवा, पैट राफ्टर, पैम श्राइवर, एस्टर वर्गीर और अन्य हॉल ऑफ फेम सदस्यों ने उन्हें बधाई संदेश दिए और आधिकारिक तौर पर इस खास क्लब में उनका स्वागत किया।